राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार ,14 सितंबर–2021 वर्ष–4,अंक–233 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात के लिए क्या अच्छा है, यह देखकर मुख्यमंत्री तय किया : केन्द्रीय मंत्री

क्रांति समय दैनिक समाचार

केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने गुजरात में नए मुख्यमंत्री की नियुक्ति के बाद बड़ा बयान दिया है। जोशी ने कहा कि मीडिया जो विचार करता है, उस पर भाजपा गौर नहीं करती। गुजरात के लिए क्या अच्छा है, यह सोचकर भाजपा ने मुख्यमंत्री तय किया है। भूपेन्द्र पटेल के बारे में जोशी ने कहा कि वे लो प्रोफाइल नहीं परंतु गुजरात की जनता का विश्वास जीत सकें ऐसे मुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन से राज्य पर कोई असर नहीं होगा।

प्रहलाद जोशी ने दावा किया कि आगामी 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा फिर एक बार अपना परचम लहराएगी।

गुजरात में फिर पाटीदार के हाथों में सत्ता की कमान, भूपेन्द्र पटेल ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात में फिर एक बार सत्ता की कमान पाटीदार को सौंप दी गई है। अहमदाबाद के घाटलोडिया से विधायक भूपेन्द्र पटेल ने सोमवार को गुजरात के १७वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। गांधीनगर के राजभवन में आचार्य देवव्रत ने भूपेन्द्र पटेल को मुख्यमंत्री के पद और गोपनीयता शपथ दिलवाई। शपथ ग्रहण समारोह में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष अरविंद त्रिवेदी, पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, केन्द्रीय पर्यवेक्षक नरेन्द्रसिंह तोमर और प्रहलाद जोशी, केन्द्रीय रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश, गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के अलावा पांच राज्यों के मुख्यमंत्रियों में प्रमोद सावंत, मध्य प्रदेश के शिवराजसिंह चौहाण, कर्नाटक बसवराज बोमई, असम के हिमंत बिस्वा और हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर उपस्थित रहे।

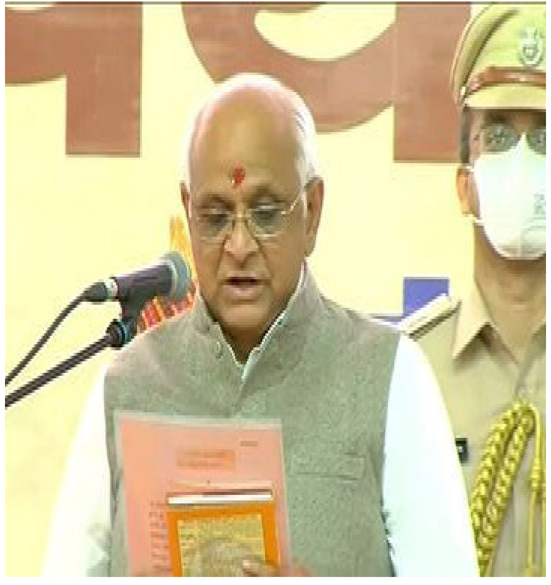

भूपेन्द्र पटेल गुजरात के पांचवें ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो पाटीदार समाज से आते हैं। गुजरात पहले पाटीदार मुख्यमंत्री चिमनभाई पटेल थे। दूसरे बाबुभाई पटेल, तीसरे केशूभाई पटेल, चौथी और राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल और पांचवे भूपेन्द्र पटेल जो पाटीदार हैं।

जन्म दिन शुभेच्छा

संत दर्शन सिंह जी महाराज

राजभवन में गुजरात के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह शामिल दिग्गज नेता।

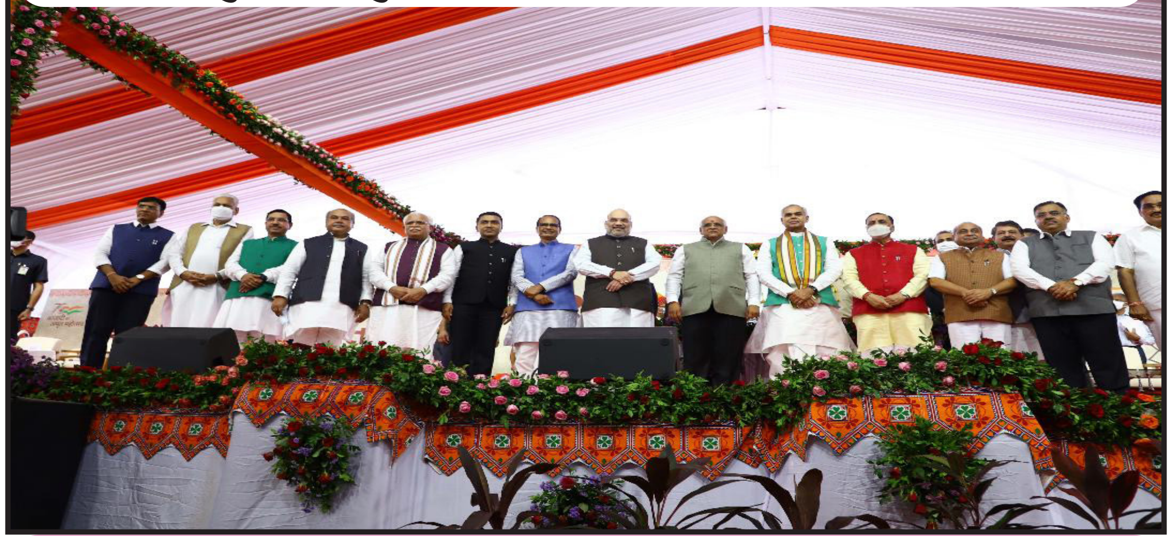

राजभवन में गुजरात के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह शामिल दिग्गज नेता। बाएं से केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, पुरुषोत्तम रूपाला, प्रहलाद जोशी नरेन्द्रसिंह तोमर, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहाण, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के नए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, राज्यपाल आचार्य देवव्रत, पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील।

भूपेंद्र पटेल ने स्वर्णिम संकुल स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में विधिवत पदभार

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात के नवनियुक्तमुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद विधिवत पदभार संभाला। भूपेंद्र पटेल राजभवन से सीधे स्वर्णिम संकुल-१ में स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री चैम्बर में अपनी कुर्सी पर बैठकर विधिवत कार्यभार संभालने से पूर्व दादा भगवान-सिमंधर स्वामी की मूर्ति को श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित दादा भगवान परिवार के अनुयायी स्वजनों के साथ मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने भी स्तुति मंत्र का श्रद्धापूर्वक गान किया और दादा भगवान के श्रीचरणों ने नमन करने के बाद बतौर मुख्यमंत्री विधिवत पदभार ग्रहण किया।

नवनियुक्त मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देने पहुंचे सभी शुभेच्छकों, विधायकों, मीडया कर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों से उन्होंने स्नेहपूर्वक मुलाकात की।

मुख्यमंत्री कार्यालय परिवार के अधिकारी और कर्मचारियों ने भी श्री भूपेंद्रभाई पटेल से मिलकर उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य की विकास यात्रा को अविरत आगे बढ़ाने में योगदान देने की मंशा व्यक्त की।

पीएम मोदी ने गुजरात के नए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को दी शुभकामनाएं

अहमदाबाद, गुजरात के 17वें मुख्यमंत्री के रूप में भूपेन्द्र पटेल ने सोमवार को शपथ ग्रहण की। भूपेन्द्र पटेल के मुख्यमंत्री बनते ही उन्हें शुभकामनाएं देने का सिलसिला शुरूहो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के नए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने गुजराती में ट्वीट किया, जिसमें लिखा ''भूपेन्द्रभाई पटेल को गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर अभिनंदन। आपके यशस्वी कार्यकाल के लिए बहुत बहुत शुभकामनाएं।'' भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी ट्वीट कर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को बधाई दी। जेपी नड्डा ने ट्वीट कर लिखा ''मैं भूपेन्द्र पटेल को गुजरात के मुख्यमंत्री के पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और आपके नेतृत्व में गुजरात की सतत विकास यात्रा की गति और तेज होगी।'' मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ट्वीट कर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को शपथ लेने पर आत्मीय बधाई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में राज्य में विकास के नए आयाम गढ़े जाएंगे और समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूपेन्द्र पटेल को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि आशा व पूर्ण विश्वा है कि आपके ऊर्जावान और संवेदनशील नेतृत्व में गुजरात विकास की नूतन ऊंचाइयों को स्पर्श करेगा। प्रभु श्रीराम से आपके उज्जवल एवं उत्कृष्ट कार्यकाल की कामना है।

गुजरात के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने अहमदाबाद पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एयरपोर्ट पर स्वागत करते पदनामित मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल।

सौराष्ट्र में लोग भारी बारिश से पस्त भाजपा सरकार मुख्यमंत्री बदलने में व्यस्त : मोढवाडिया

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि राज्य में भारी से अतिभारी बारिश की संभावनाओं के बावजूद राज्य सरकार राहत और बचाव के अग्रिम आयोजन करने के बजाए मुख्यमंत्री बदलने में व्यस्त रही। जिसकी वजह से जामनगर समेत सौराष्ट्र के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। सरकार और प्रशासन से अनुरोध है कि वह नौटंकियां छोड़ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य पर ध्यान केन्द्रित करे। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने अतिभारी बारिश के कारण सौराष्ट्र कई गांव द्वीप में तब्दील हो गए हैं। जामनगर और अलियाबाडा गांव के कुछ वीडियो मेरे पास आए हैं। पूरा गांव के बेट में तब्दील हो गया है और अन्य गांव समेत तहसील मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। बचाव कार्य के लिए ग्रामीण लोग प्रशासन का संपर्क कर रहे हैं, लेकिन भाजपा के नेता और निर्वाचित प्रतिनिधि नई सरकार बनाने में और उसमें पद पाने और जश्न में मस्त हैं। मोढवाडिया ने कहा कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्र के लोग जीवन-मौत के बीच जूझ रहे हैं और बचाव कार्य की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मेरा राज्य सरकार और प्रशासन से अनुरोध है कि सरकार बनाने और उसके जश्न तो बाद में भी होते रहेंगे। उसके नशे में सत्ता में बैठे लोगों को राज्य के नागरिकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी नजरअंदाज करना उचित नहीं है। मेरा अनुरोध है क किसी बड़ी अनहोनी से पहले प्रशासन तत्काल प्रभावितों की मदद करे। अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि जामनगर जिले में अतिभारी बारिश हुई है। खासकर जामनगर तहसील के ग्रामीण इलाकों में अतिभारी बारिश के कारण कई गांव बेट में तब्दील हो गए हैं। यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई। मौसम विभाग समेत विभिन्न निजी संस्थाओं द्वारा सौराष्ट्र में अतिभारी बारिश की चेतावनी दी गई थी। लेकिन मुख्यमंत्री बदलने और नई सरकार के गठन में व्यस्त राज्यकी भाजपा सरकार द्वारा राहत और बचाव के लिए कोई अग्रिम आयोजन नहीं किया गया। जिसकी वजह से आज अनेक लोगों की जान खतरे में है। इसके लिए केवल और केवल राज्य की भाजपा सरकार जिम्मेदार है।

सत्ता के नशे और नौटंकियों में मस्त भाजपा सरकार राज्य के लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी भूल चुकी है। ऐसी सरकार को राज्य की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

संपादकीय

सौर तूफान से पहले

सूर्य की ओर से पृथ्वी पर एक खतरा मंडरा रहा है। अगले दशक में एक ऐसे सौर तूफान के आने की आशंका है, जिससे बड़े पैमाने पर जान-माल और नेटवर्क का नुकसान हो सकता है। शोध पर आधारित भविष्यवाणी में कहा गया है कि एक विशाल सौर तूफान सूर्य से प्राप्त द्रव्यमान और ऊर्जा का एक शक्तिशाली जेट होगा और अगर पृथ्वी खुद को आग की रेखा में पाती है, तो उसे ऐसे परिणाम भुगतने होंगे, जो पहले कभी नहीं देखे गए हैं। दुनिया के बड़े हिस्से में कई दिनों तक बिजली की आपूर्ति भी बाधित रहेगी। परिक्रमा में लगे सैटेलाइट सहित महासागरों में नीचे बिछा केबल ढांचा भी खतरे में होगा। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन और वीएमवेयर रिसर्च से जुड़ी भारतीय मूल की वैज्ञानिक संगीता अब्दु ज्योति के एक शोध पत्र सोलर सुपरस्टॉर्म ़ प्लानिंग फॉर ए इंटरनेट एपोकैलिप्स में कहा गया है कि सौर तूफान आने की 1.6 से 12 प्रतिशत आशंका है। अगर एक प्रतिशत आशंका भी हो, तो भी सौर तूफान से निपटने की तैयारी रखनी चाहिए। वैज्ञानिक ने सभी देशों को चेताया है कि समय रहते तैयारी शुरू कर दें। अनेक शोधों में यह बात पहले भी सामने आई है कि जो सूर्य दशकों तक सौम्य रहा है, अब मानो नींद से जाग रहा है। वहां से आग की लपटें उठेंगी, जो तूफान का रूप लेकर पृथ्वी की ओर बढ़ेंगी। इस साल जुलाई में भी एक सौर तूफान का साया पृथ्वी पर मंडराया था, लेकिन खास असर नहीं पड़ा। हालांकि, गंभीर सौर तूफान इतने दुर्लभ हैं कि हाल के इतिहास में केवल तीन उदाहरण मिलते हैं। 1859 और 1921 की आपदाओं ने दिखाया था कि भू-चुंबकीय गड़बड़ी बिजली के बुनियादी ढांचे और टेलीग्राफ तारों जैसी संचार लाइनों को बाधित कर सकती है। 1859 में जब सौर तूफान आया था, तब कंपास की सुई बेतहाशा इधर-उधर डोल रही थी। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि तब दुनिया में बिजली ग्रिड की स्थापना नहीं हुई थी, अब अगर सौर तूफान आया, तो सीधे ग्रिड पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। यह दुष्प्रभाव कैसा और कितना होगा, इसका कमोबेश अनुमान वैज्ञानिकों को लगाना पड़ेगा, ताकि उसी हिसाब से तैयारी की जा सके। साल 1989 में आए एक मध्यम-गंभीर सौर तूफान ने हाइड्रो-क्यूबेक ग्रिड पर असर डाला था और पूर्वोत्तर कनाडा में नौ घंटे के ब्लैकआउट का कारण बना था, लेकिन यह घटना भी तब की है, जब दुनिया में इंटरनेट ढांचा खड़ा नहीं हुआ था। कुल मिलाकर, सौर तूफान जैसी आपदा पृथ्वी के लिए भले नई न हो, लेकिन आधुनिक दुनिया के लिए बिल्कुल नई बात होगी। आज पूरा जीवन बिजली और इंटरनेट पर आधारित होता जा रहा है। बड़े नेटवर्क और बड़े ग्रिड पर हम ज्यादा से ज्यादा निर्भर होते जा रहे हैं। यात्रा से लेकर अस्पताल तक, बहुत कुछ बिजली और इंटरनेट आधारित है, तो हमें तैयारी इस तरह से करनी चाहिए कि एक ही बार में पूरा ढांचा जवाब न दे जाए। क्या छोटे ग्रिड और लोकल नेटवर्क का तंत्र खड़ा नहीं किया जा सकता? जरूरत पड़ने पर ग्रिड और नेटवर्क को अलग-अलग करने की सुविधा वाला ढांचा खड़ा करना चाहिए? हर सुविधा की पाइप लाइन, तार और बेतार व्यवस्था पर हमें समय रहते सोचना होगा। इस आपदा की आशंका हमें पृथ्वी के प्रति ज्यादा सजग होने के लिए प्रेरित कर रही है। एक संरक्षित-सुरक्षित पृथ्वी ही हमारी मदद करेगी।

'आज के ट्वीट

सफलता

जिंदगी की राहों में जो मुश्किलों से लड़ा है, सफलता की रेस में वही आगे खड़ा है।

-- विवेक बिन्द्रा

उत्सवी मनोरंजन में बदल गया है गणशोत्सव

प्रकाशनार्थ/ गणशोत्सव - डॉ. दीपक आचार्य

भारतीय संस्कृति में विभिन्न देवी-देवताओं से संबंधित पर्व और त्योहारों को मनाने का मूल लक्ष्य था संदर्भित देव या देवी की कृपा प्राप्त के लिए साधना विशेष को अंगीकार कर दैवीय और दिव्य ऊर्जाओं का आवाहन और अपने शरीर की क्षमताओं का विस्तार करना, ताकि जीवन में दैवीय भावों और दैवीय परंपराओं के कार्यों में सहभागिता बढ़ाते हुए सनातन धर्म के प्रति आस्था में अभिवृद्धि और परिवेश में विराट ऊर्जा का प्रसार करना, ताकि विश्व कल्याण की गतिविधियां परिपुष्ट होकर 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे निरामया' के सार्वभौमिक उद्देश्य की प्राप्ति। ताकि हर व्यक्ति का जीवन भगवत् कृपा से आशातीत सफल एवं उपलब्धिमूलक हो सके। भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं में आद्य शंकराचार्य द्वारा स्थापित पंच देवोपासना के पीछे यही भावना थी कि सभी सनातनी पारस्परिक प्रेम भाव और सामूहिक प्रयासों से अपने-अपने ईष्ट देव को साधना के माध्यम से प्रसन्न करते हुए जीवन का विकास कर सकें तथा अपने आस-पास के बंधुओं-भगिनियों, परिवेश, क्षेत्र और राष्ट्र के लिए उन्नतिकारक योगदान दे सकें। इस मामले में तीन तरह के कर्म निहित हैं। नित्य कर्म, नैमित्तिक कर्म और काम्य कर्म। इन्हीं को लेकर साधना-उपासना का विधान है। निर्धारित नित्य कर्म सभी के लिए निर्धारित हैं, जिसे रोजाना अनिवार्य रूप से करना ही करना होता है। इसके बाद आता है नैमित्तिक कर्म, अर्थात किसी पर्व, त्योहार एवं उत्सव के निमित्त उससे संदर्भित देवी-देवता की विशेष साधना। और वह भी उसी व्यक्ति द्वारा जिसका ईष्ट हो। शेष सभी के लिए सामान्य साधना या भागीदारी का विधान है। पर हमारे यहाँ साधना के मामले में सब कुछ गड्ड-मड्ड हो गया है। जब भी कोई पर्व-त्योहार और उत्सव आता है, सारे के सारे लोग ऐसे मिल पड़ते हैं, जैसे कि उनकी ईष्ट की विशेष साधना का काल आ गया हो। जबकि होना यह चाहिए कि अपना ईष्ट एक होना चाहिए। और उसी पर सर्वाधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, शेष के प्रति श्रद्धा, आस्था और भावना जरूर हो, लेकिन ऐसा नहीं है कि साल भर में जो भी तिथियां, पर्व और त्योहार आ जाएं, उनमें डूब जाएं। इससे अपना ईष्ट बल भी उतना पूरा नहीं हो पाता, जितना होना चाहिए। इसी प्रकार काम्य कर्म हैं। इनमें किसी कामना विशेष की पूर्ति के लिए साधना का विधान है। इस साधना से संचित ऊर्जा कर्म की पूर्णता पर पूरी खर्च हो जाती है। नियम तो यह भी है कि नैमित्तिक और काम्य कर्म का अधिकार उसी साधक को है जो नित्य कर्म में रत रहते हैं और किसी भी दिन अपनी वंश परम्परा और कुल परम्परा से चली आ रही पुरखों की अपनायी साधना में रमे रहते हैं। ऐसा करने से पूर्वजों द्वारा की गई साधनों का काफी कुछ अंश साधक को अपने आप प्राप्त हो जाता है। उसे कुल परम्परा से चली आ रही साधना का आश्रय प्राप्त कर लेने पर सिद्धियां और ईच्छित कर्मों में सफलता बहुत जल्दी प्राप्त होती है। इस कार्य में दिवंगत पितरों की ओर से भी वांछित ऊर्जा अपने वंशजों को सूक्ष्म रूप से प्राप्त होने लगती है। लेकिन आज की स्थिति में न हम वंश परंपरा से चली आ रही पूजा-उपासना को अंगीकार कर पाए हैं, न ईष्ट साधना के प्रति गंभीर हैं। जिस समय जो सामने आ गया, जिसने कुछ कह दिया, उसी के पीछे भेड़चाल से पिछलग्गू होकर चलते हुए अंधी दौड़ में शामिल हो जाया करते हैं। इससे होता यह है कि कुल और वंश परम्परा के देवी-देवता तथा इनकी उपासना करते हुए ऊर्जा के भण्डारों को प्राप्त करने वाले हमारे पूर्वज और पितरों तथा दिवंगत गुरुओं का हमसे साधनात्मक और ऊर्जा प्रवाह का संबंध या सेतु टूट जाता है। और हम सारे लोग कुछ-कुछ महीनों या वर्षों में अपने-अपने हिसाब से अपनी तुच्छ कामनाओं को सामने रखकर अपने उपास्य देव अर्थात ईष्ट को बदलते रहते हैं। अधिकांश लोग ताजिन्दगी यही करते रहते हैं और अन्त में ईष्ट की सिद्धि के बिना परलोक सिधार जाते हैं और उनकी मुक्ति नहीं हो पाती। हमारे जीवन की तमाम समस्याओं का यही मूल राज है जिसकी वजह से धर्म, त्योहारों और पर्वों के नाम पर इतना सब कुछ दिखावा, समय, पैसा और श्रम खर्च करते हुए रमे रहने के बावजूद कुछ हासिल नहीं हो पाता और अंतिम समय तक भी दैवीय कृपा और ऊर्जा के मामले में ठनठनगोपाल ही बने रहते हैं। खूब सारे लोग हैं जिन्हें इस सत्य का भान तब होता है जब वे मरणासन्न अवस्था में पहुँच जाते हैं। और इस अवस्था में ये कुछ नहीं कर पाते, आत्मा कुलबुलाती है, पूरा का पूरा जीवन निरर्थक लगता है, और एक दिन अनचाहे ही राम नाम सत्य हो जाता है। यह स्थिति इनके लिए भी घातक होती है, उनके पूर्वजों तथा वंशजों के लिए भी घातक होती है, क्योंकि इस स्थिति में ऊर्जाहीनता के भंवर में फंसे रहने की वजह से पूरी की पूरी श्रृंखला मुक्ति से दूर रहकर भटकती रहती है और धरतीवासी अपनी संतति को परेशान करते हुए मुक्ति के उपाय करने के लिए संकेत देती रहती है। इन दिनों गणेशोत्सव चल रहा है। यह गणेशात्सव हालांकि सभी के लिए नैमित्तिक कर्म की श्रेणी में आता है जिसमें यथाशक्ति योगदान और भागीदारी करनी चाहिए। लेकिन मूल रूप से यह गणपति साधकों का ऊर्जा संग्रहण पर्व है जिसमें गणेशजी की साधना की स्तुतियों, मंत्रों और पूजन परंपराओं पर जोर दिया जाना चाहिए। लेकिन अधिकांश लोगों को इससे कोई सरोकार नहीं है। सारे के सारे आजकल गणेशोत्सव को उत्सवी मनोरंजन के रूप में ले रहे हैं और जिस तरह से माहौल बनता है, उसे देख यह अनुभव में आता है कि यह गणेशोत्सव भक्ति का पर्व न होकर उत्सवी मनोरंजन का महापर्व ही है, जहाँ साधना, पूजा-पाठ और भक्ति गौण है और धींगामस्ती तथा मनोरंजन का परिमाण कहीं अधिक। एक अध्ययन कर लें कि कितने ऐसे लोग हैं जो गणेशोत्सव में रमे हुए हैं और उनका गणेश साधना बल है या गणेशजी की पूजा और साधना पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। शायद कुछ फीसदी ही सामने आएंगे अन्यथा अधिकांश लोग माईक पर भजनों और आरतियों, नैवेद्य आदि में ही रमे हुए हैं। यही वजह है कि लाखों-करोड़ों लोग गणेशोत्सव के आनंद, उत्सव और उल्लास में डूबे हुए हैं किन्तु न उनके जीवन में सुख-समृद्धि दिख रही है, न समाज में खुशहाली आ पा रही है, और न ही राष्ट्र की उन्नति में कोई बदलाव आ पाया है। गणेशजी को विध्नविनायक माना गया है। ऐसे में गणेशोत्सव में रमे हुए सारे लोग थोड़ी संख्या में ही गणेश साधना को अपना लें तो देश से आतंकवाद, समस्याएं और आस-पास के शत्रु देश अपने आप ठिकाने लग जाएं। गणेशोत्सव में डूबे हुए लोग भी उत्सव के बाद जैसे थे वैसे दिखते हैं, उनके जीवन में कोई सकारात्मक बदलाव तक नहीं दिखता, जबकि बरसों से वे ऐसा कर रहे हैं। हमारे सारे पर्व और त्योहार अब उत्सवी मनोरंजन और क्षणिक आनन्द पाने की भेंट चढ़ चुके हैं। देशवासियों और भारतवर्ष के लिए यही दुर्भाग्य की बात है अन्यथा साल भर आने वाले पर्व-त्योहार दैवीय शक्तियों के आवाहन और ऊर्जा संग्रह के माध्यम होते हैं पर इस शाश्वत मर्म को कोई समझ नहीं पा रहा। फिर देश में उन लोगों की भी कोई कमी नहीं है जो कि सनातन संस्कृति के उत्सवों, पर्वों और अन्य अवसरों पर गणेश साधकों को साधना की फुरसत नहीं देकर जानबूझकर दूसरे कामों में उलझाए रखते हैं। यह सनातनियों को शक्तिहीन बनाए रखने का षड़यंत्र है जिसे लोग समझ नहीं पा रहे हैं। सारे के सारे तथाकथित भक्तगण मनोरंजनिया भेड़चाल का हिस्सा बने हुए धर्म और पर्व-त्योहारों के नाम पर इतना सब कुछ करने के बावजूद निर्बल, असहाय और मूकद्रष्टा होकर जी रहे हैं। हर पर्व और त्योहार पर साधना पक्ष को प्रधानता दी जानी जरूरी है। आजकल बाबाओं, महंतों, महामण्डलेश्वरों और कर्मकाण्डियों तथा धर्म के नाम पर धंधे चलाने वाले भी साधना पक्ष को गौण मानकर मन्दिर और भवनों के निर्माण, व्यवसायिकता भरे आयोजनों और कारोबारी मानसिकता पर जोर देते रहे हैं। इसके अलावा कुछ लोगों के लिए इस प्रकार के हर पर्व और त्योहार धंधे का रूप ले चुके हैं। इन्हें न समाज से कोई मतलब है, न देश से। और खूब सारे लोग पराए पैसों से मौज उड़ाने के लिए जुट जाते हैं। जबकि साधना और भक्ति का सर्वोपरि नियम यह है कि जो कुछ किया जाए वह खुद के द्वारा अर्जित धन से होना चाहिए। पराए पैसों से होने वाले कोई से धार्मिक अनुष्ठान, उत्सव और आयोजन किसी काम के नहीं। यही कारण है कि साल भर धर्म के नाम पर इतना कुछ हो रहा है फिर भी लोगों में न धार्मिकता आ रही है, न शुचिता या दिव्यता। दैवीय कृपा और ऊर्जा की बात तो दूर है। इससे समाज और राष्ट्र का अप्रत्यक्ष रूप से बड़ा भारी नुकसान हो रहा है। इस गंभीर स्थिति पर चिन्तन करने की आवश्यकता है।

प्राणशक्ति

जग्गी वासुदेव

रोग के कई सारे पहलू हैं। अंग्रेजी शब्द 'डिजीज' का अर्थ है कि आप आराम में नहीं है। जब आप के शरीर को पता नहीं चलता कि आराम कैसे करें, तो ऊर्जा अस्त व्यस्त हो जाती हैं। उदाहरण के लिए, जब अस्थमा के रोगी ईशा योग कार्यकम में आते हैं और ध्यान तथा योग क्रियाएं करना शुरू करते हैं तो कुछ ही दिनों की क्रिया से बहुत से लोगों का अस्थमा गायब हो जाता है। इसका कारण ये है कि उनकी ऊर्जा कुछ दिन क्रिया करने से ही व्यवस्थित होने लगती है। कुछ लोगों का अस्थमा थोड़ा कम हो जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनका अस्थमा सिर्फ अस्त-व्यस्त ऊर्जा की वजह से नहीं हुआ है। इसके अन्य गहरे कर्म संबंधी कारण भी हैं। कुछ लोगों को बिल्कुल भी आराम नहीं आता, क्योंकि उनका रोग बहुत ज्यादा शक्तिशाली कर्म संबंधी कारणों की वजह से होता है। कुछ ऐसी बाहरी परिस्थितियां भी हो सकती हैं, जो न बदली हों। कर्म, रोग का कारण कैसे बनते हैं? एक चीज होती है जिसे प्रारब्ध कहते हैं, जो आप के इस जीवन के लिये आवंटित कर्मो का हिस्सा हैं। प्रारब्ध कर्म आप के शरीर, मन और अनुभूतियों पर दर्ज रहते हैं, परंतु आप की ऊर्जा पर ये सबसे अधिक गहरे रूप से दर्ज होते हैं। ऊर्जा पर कोई जानकारी कैसे दर्ज हो सकती है? ये मेरे अंदर एक जीवित अनुभव है-मुझे पता नहीं कि इस पर कोई वैज्ञानिक शोध हो रहा है या नहीं, पर मैं ये जानता हूं कि विज्ञान किसी दिन ये जानने के लिए रास्ता ढूंढ ही लेगा। एक समय था जब हम जो कुछ भी दर्ज कर के रखना चाहते थे, वो सब पत्थरों की पट्टियों पर लिख कर रखना पड़ता था। वहां से हम पुस्तकों की ओर आए और अब आगे बढ़ते हुए डिस्क और चिप्स तक आ गए हैं। पत्थरों की हजारों पट्टियों पर जो कुछ लिखा जा सकता था, वो एक पुस्तक में आने लगा और फिर जो हजारों पुस्तकों में लिखा जा सकता था वो एक कॉम्पैक्ट डिस्क में आने लगा। और अब तो, हजारों डिस्क में आने वाली जानकारी एक छोटी सी चिप में आ जाती है। किसी दिन ये होगा कि आज हम जितना कुछ लाखों चिप्स में दर्ज कर सकते हैं वो ऊर्जा के एकदम छोटे से हिस्से में आ जाएगा। मैं जानता हूं कि यह सम्भव है क्योंकि यह मेरे अंदर हर समय हो रहा है, और ये हरेक में हो रहा है। ऊर्जा स्वयं ही एक खास ढंग से काम करती है। हरेक की ऊर्जा या प्राणशक्ति एक समान ढंग से काम नहीं करती।

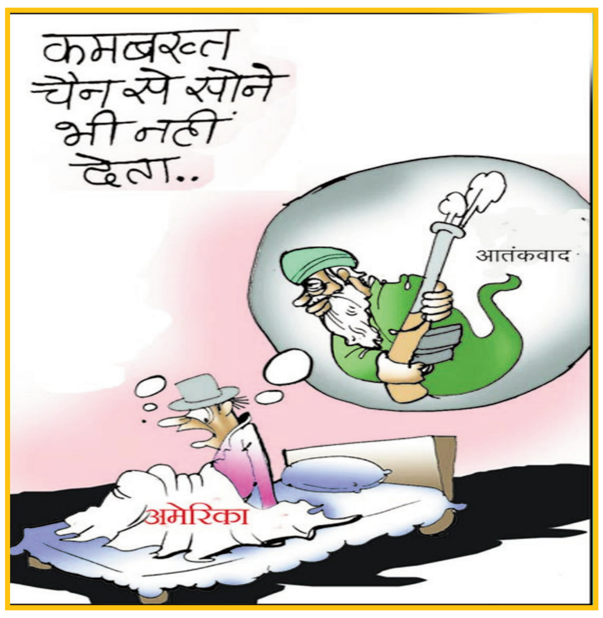
कमबख्त चैन से सोने भी नहीं देता..
आतंकवाद
अमेरिका

आज का राशिफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

मन में ठान लें तो कुछ भी मुश्किल नहीं

सीताराम गुप्ता

ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित उर्दू शायर 'शहरयार' साहब की ग़ज़ल का एक लोकप्रिय शे'र है :-

कहिए तो आस्मां को जमीं पर उतार लाएं,
मुश्किल नहीं है कुछ भी अगर ठान लीजिए।

अनुष्का के कॉलेज में एक दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वह मित्रों के साथ रक्तदान शिविर में गई। उसके रक्त की जांच करने के पश्चात डॉक्टर ने कहा, 'तुम रक्तदान नहीं कर सकती क्योंकि तुम्हारे रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा इतनी कम है कि यदि तुम्हारा एक यूनिट ब्लड ले लिया गया तो तुम्हें फौरन चार यूनिट ब्लड चढ़ाना पड़ेगा।' वह जिद पर अड़ी थी कि उसे हर हाल में ब्लड डोनेट करना है। डॉक्टर ने समझाया कि तुम एनीमिक हो। तुम्हारे शरीर में लौह तत्व की बेहद कमी है। अतः ऐसे में तुम्हारा ब्लड बिल्कुल भी नहीं लिया जा सकता। उसका सारा उत्साह ठंडा पड़ गया। घर आकर उसने सारी बात माता-पिता और भाई को बतलाई। घर वालों ने कहा कि पहले अपना खुद का ब्लड ठीक कर लो, उसके बाद ब्लड डोनेट करने की सोचना। घर वाले उसके खानपान को लेकर चिंतित थे लेकिन वह इस सबसे बेपरवाह रही। उस बात को कई साल गुजर गए। घर वालों ने समझ लिया कि उसके सर से रक्तदान करने भूत उतर चुका है। एक दिन अनुष्का के पापा ने देखा कि मेज पर रक्तदान का कार्ड पड़ा है। उस पर अनुष्का का नाम लिखा था। शाम को जब अनुष्का से पूछा गया कि क्या उसने रक्तदान किया है तो उसने कहा कि हां। उसने कहा कि वह इससे पहले भी कई बार रक्तदान कर चुकी है और ये कहकर उसने कई कार्ड लाकर घर वालों के सामने रख दिए। घर वालों ने पूछा कि क्या उसने कभी आयरन डेफिशिएंसी का इलाज करवाया है तो अनुष्का ने कहा कि नहीं। कैसे एक रक्ताल्पता से पीड़ित लड़की का हीमोग्लोबिन इतना सामान्य हो गया कि वह रक्तदान तक करने लगी? अनुष्का की उत्कट इच्छा थी कि वह रक्तदान करे। उसका दृढ़ निश्चय एक संकल्प बन गया। वह इसे बार-बार दोहराती थी। रक्तदान करना उसकी प्रतिष्ठा से जुड़ गया। यह उसके आत्मसम्मान का प्रश्न बन गया। इस संकल्प की पूर्ति के लिए उसकी मानसिक कंडीशनिंग हो गई। जब हम किसी चीज या स्थिति की कामना करते हैं अथवा मन से चाहते हैं तो इस ब्रह्मांड की सारी शक्तियां उसे हमें उपलब्ध करवाने के लिए सहयोग करने लगती हैं। इस ब्रह्मांड की सहयोगी शक्तियों में हमारा अपना मन सबसे महत्वपूर्ण होता है। जब हम किसी लक्ष्य का पूर्ति के लिए कोई संकल्प लेते हैं तो हमारे मस्तिष्क की कोशिकाएं सक्रिय होकर हमें इतना अधिक प्रेरित कर देती हैं कि हम प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से उसकी प्राप्ति में संलग्न हो जाते हैं। अवरोध समाप्त होकर परिस्थितियां हमारे अनुकूल होने लगती हैं और हम अपेक्षित सफलता प्राप्त कर लेते हैं। यह ठीक है कि बीमारी अथवा शरीर में पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए उपचार व खानपान में सुधार व अपेक्षित परिवर्तन अनिवार्य है लेकिन यदि हममें अच्छे स्वास्थ्य और रोगमुक्ति के लिए दृढ़ इच्छा है तो स्थितियों में स्वतः परिवर्तन होते देर नहीं लगती। माना कि अनुष्का अपने स्वास्थ्य के प्रति अत्यंत सचेत नहीं थी लेकिन रक्तदान के लिए अत्यंत सचेत व दृढ़प्रतिज्ञ थी। उसे रक्तदान करना था, अतः उसके रक्त में अपेक्षित मात्रा में हीमोग्लोबिन बढ़ना भी अनिवार्य हो गया था। बिना उचित खानपान व उपचार के यह असंभव है तो फिर यह कैसे संभव हुआ? हमारी इच्छा अथवा विचारों के अनुरूप ही हमारे शरीर में जैव-रासायनिक तथा विद्युत-चुंबकीय परिवर्तन होते रहते हैं जो भौतिक शरीर व स्वास्थ्य को अपेक्षित दशा व दिशा प्रदान करने में सहायक व सक्षम होते हैं। हमारे शरीर में कुछ अंतःस्त्रावी ग्रंथियां होती हैं जो हमारे लिए लाभदायक व हानिकारक हार्मोंस उत्सर्जित करती रहती हैं। यह हमारी मनोदशा पर निर्भर करता है कि कैसे हार्मोंस उत्सर्जित हों। हमारे विचार अथवा संकल्प हमारी मनोदशा के निर्धारण में सहायक होते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण अथवा आशावादी विचार उपयोगी हार्मोंस का उत्सर्जन संभव बनाते हैं। हमारा स्वास्थ्य हमारे मस्तिष्क की कोशिकाओं की विशेष प्राथमिकता होता है। जब भी हम अच्छे स्वास्थ्य या रोगमुक्ति अथवा उससे संबंधित क्रियाकलापों के विषय में सोचते हैं तो हमारे स्वास्थ्य में अपेक्षित सकारात्मक परिवर्तन होने लगता है। सूरदास का एक पद का सार है कि हे प्रभु! आपसे क्या नहीं हो सकता? आपकी कृपा हो जाए तो गूंगा बोलने लगे, पैरों से असमर्थ पर्वत पार कर जाए व नेत्रहीन सारे संसार को देख आए। प्रभु आपकी कृपा से असंभव भी संभव हो जाए। वह कृपा करने वाला ईश्वर कहां है? वह कृपा करने वाला ईश्वर वास्तव में हमारे अंदर ही विराजमान है। वह हमारी इच्छाशक्ति से ही जाग्रत होता है। उसकी कृपा का द्वार हमारी इच्छाशक्ति की खटखटाहट से ही खुलता है। सगुण-साकार अथवा निर्गुण-निराकार प्रभु की प्रार्थना करके हम अपनी असीमित सुप्त मानसिक शक्तियों को ही जगाते हैं। वह अपने विश्वास को पुष्ट करने का ही एक मार्ग है। वास्तव में सकारात्मक दृष्टिकोण से उत्पन्न सात्विक इच्छाओं का चयन करके हम अपने जीवन में हर खुशी प्राप्त कर सकते हैं।

वेदांता रिसोर्सेज ने पहली छमाही में शुद्ध ऋण में 30 करोड़ डॉलर की कमी की

नयी दिल्ली, वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) ने सोमवार को घोषणा की कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में अपने शुद्ध ऋण में 30 करोड़ डॉलर की कमी की है और उसे उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में वह अपने ऋण में 50 करोड़ डॉलर की कमी करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वोल्कन में पूरे ऋण का भुगतान हो जाने के साथ वीआरएल के गिरवी रखे गए सभी इक्विटी शेयर अब इससे बाहर आ गए हैं। वोल्कन इन्वेस्टमेंट्स वीआरएल के चेयरमैन और मशहूर उद्योगपति अनिल अग्रवाल की निवेश इकाई है। बयान में कहा गया, वीआरएल ने पहली छमाही में अपने शुद्ध ऋण (अंतर कंपनी ऋण और वोल्कन के ऋण सहित) में 30 करोड़ डॉलर की कमी की है और वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी छमाही में ऋण को 50 करोड़ डॉलर और कम करने की उम्मीद है। कंपनी को उम्मीद है कि उसकी विश्वस्तरीय परिसंपत्तियों के मजबूत प्रदर्शन के चलते उसके लेखे में सुधार होगा। कंपनी ने अपने कामकाज को पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिये निदेशक मंडल की पर्यावरण संबंधी सामाजिक और संचालन समिति का गठन किया है।

अगले साल की शुरुआत में घरेलू परिचालन शुरू करेगी जेट एयरवेज

नई दिल्ली। जेट एयरवेज 2022 की पहली तिमाही से घरेलू परिचालन फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। एयरलाइन के अधिग्रहण के लिए सफल बोली लगाने वाले जालान कालरॉक गठजोड़ ने सोमवार को यह जानकारी दी। इससे पहले मौजूदा एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) के पुर्नवैधीकरण की प्रक्रिया चल रही है। एक बयान में, कंसोर्टियम ने सोमवार को कहा कि वह स्लॉट आवंटन, आवश्यक हवाईअड्डा बुनियादी ढांचे और रात की पार्कि ग पर संबंधित अधिकारियों और हवाईअड्डा समन्वयकों के साथ काम कर रहे हैं। जालान कालरॉक कंसोर्टियम यानी गठजोड़ के प्रमुख सदस्य और जेट एयरवेज के प्रस्तावित गैर-कार्यकारी अध्यक्ष मुरारी लाल जालान ने कहा, जेट एयरवेज 2.0 का लक्ष्य 2022 की पहली तिमाही तक घरेलू परिचालन को फिर से शुरू करना है और 2022 की तीसरी और चौथी तिमाही तक अंतर्राष्ट्रीय संचालन शुरू करना है। हमारी योजना तीन साल में 50 से अधिक विमान और पांच साल में 100 से अधिक विमानों का बेड़ा तैयार करने है, जो गठजोड़ की अल्पकालिक और दीर्घकालिक व्यापार योजना के लिहाज से पूरी तरह उपयुक्त है। विमानों का चयन प्रतिस्पर्धी दीर्घकालिक लीजिंग समाधानों के आधार पर किया जा रहा है। इसके अलावा, कंसोर्टियम ने कहा कि जेट एयरवेज का मुख्यालय अब दिल्ली एनसीआर में होगा। इसी के साथ इसने कहा कि जेट एयरवेज के लिए पुनरुद्धार योजना को एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित के रूप में लागू किया जा रहा है और आने वाले महीनों में सभी लेनदारों के मुद्दे को योजना के अनुसार निपटाया जाएगा। जेट एयरवेज के जवाबदेह प्रबंधक और कार्यवाहक सीईओ कैप्टन सुधीर गौड़ ने कहा, हम प्रमुख वैश्विक विमान पट्टेदारों से लीज पर लिए गए सभी संकीर्ण-बॉडी विमान बेड़े पर घरेलू परिचालन के साथ शुरू करेंगे और उनके साथ हम जुड़ना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, जेट एयरवेज ने पहले ही अपने पेरोल पर 150 से अधिक पूर्णकालिक कर्मचारियों को काम पर रखा है और हम अन्य 1,000 से अधिक कर्मचारियों को वित्त वर्ष 2021-22 में सभी श्रेणियों में शामिल करना चाहते हैं।

खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में घटकर 5.3 प्रतिशत रही, जुलाई में 5.59 प्रतिशत थी

नई दिल्ली (एजेंसी):

खाद्य वस्तुओं के दाम घटने से खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में मामूली घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। उपभोक्ता मूल्यू सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति इससे पिछले महीने जुलाई में 5.59 प्रतिशत पर थी। वहीं एक साल पहले अगस्त में यह 6.69 प्रतिशत पर थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति अगस्त में 3.11 प्रतिशत रही जो कि जुलाई में 3.96 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक ने अगस्त में अपनी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा था। केंद्रीय बैंक अपनी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पर निर्णय के लिए मुख्य रूप से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति पर गौर करता है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के 5.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि दूसरी तिमाही में यह 5.9 प्रतिशत, तीसरी में 5.3 प्रतिशत और चौथी में 5.8 प्रतिशत रहेगी। वहीं, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति के 5.1 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया गया।

एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स के डिजिटल बदलाव को तेज करने में मदद करेगी टीसीएस

नयी दिल्ली (एजेंसी).

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने सोमवार को कहा कि वह एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स के डिजिटल बदलाव को तेज करने में मदद करेगी। एनएक्सपी ऑटोमोटिव, औद्योगिक एवं आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स), मोबाइल और संचार बुनियादी ढांचा बाजार में नवोन्मेष को तेज कर रही है। टीसीएस ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि सेमीकंडक्टर निर्माता ने अनुप्रयोगों, आईटी बुनियादी ढांचे और कार्यस्थल सेवाओं में उद्यम, विनिर्माण और इंजीनियरिंग कार्यों में अपनी एकीकृत आईटी सेवाओं की रणनीति को बढ़ावा देने के लिए टीसीएस को अपने रणनीतिक भागीदार के रूप में चुना है। शीर्ष सॉफ्टवेयर कंपनी ने कहा, अपने अद्वितीय मशीन फर्स्ट दृष्टिकोण, सेमीकंडक्टर उद्योग के गहरे प्रासंगिक ज्ञान और ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं ऑटोमेशन जैसी अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में सिद्ध क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, टीसीएस एक व्यापार-केंद्रित संचालन मॉडल विकसित करेगी जो मूल्य श्रृंखला में तालमेल का लाभ उठाएगा।

ग्रीव्स कॉटन ने बेंगलुरु में बहु-ब्रांड ईवी खुदरा स्टोर ऑटोईवीमार्ट शुरू किया

मुंबई: ग्रीव्स कॉटन ने अपना पहला बहु-ब्रांड ईवी खुदरा स्टोर (ऑटोईवीमार्ट) बेंगलुरु में शुरू किया है। कंपनी ने कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से इसी तरह के आउटलेट अन्य शहरों में भी खोलेगी। विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले मुंबई के समूह ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह बहु-ब्रांड ईवी खुदरा कारोबार में उतरेगा। ग्रीव्स के मोबिलिटी कारोबार में एम्पीयर इलेक्ट्रिक शामिल है, जो दोपहिया (ई-स्कूटर) तथा तिपहिया (ई-रिक्शा, ई-ऑटो और ई-लोडर) की जरूरत को पूरा करता है। तिपहिया में कंपनी की मौजूदगी ईएलई ब्रांड के तहत ई-रिक्शा क्षेत्र में और एमएलआर ब्रांड के तहत ई-ऑटो क्षेत्र में है। एम्पीयर इलेक्ट्रिक और ग्रीव्स के बीच 400 से अधिक शहरों में 600 से ज्यादा खुदरा स्टोर हैं। ग्रीव्स रिटेल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वाईवीएस विजयकुमार ने कहा कि प्रतिबद्ध ईवी स्टोर 8,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है। ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़ी सभी चीजें एक छत के नीचे लाने का है। उन्होंने कहा, ''हम बेंगलुरु में अपने पहले ऑटोईवीमार्ट स्टोर की शुरुआत को लेकर काफी रोमांचित हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण में बेंगलुरु अग्रणी रहा है और उसने इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

AUTO EV MART
By GREAVES

work from home खत्म करने की तैयारी में कंपनियां, कर्मचारियों को बुला रही ऑफिस

(एजेंसी):

कोविड-19 के बाद बिगड़े हालात अब धीरे-धीरे सुधरने के बीच बड़ी आईटी कंपनियां अपने कर्मचारियों को दफ्तर बुलाने लगी हैं। कोरोना संकट के दौर में जब अधिकतर कंपनियों ने अपने स्टाफ को घर से काम करने की आजादी दे दी थी, इसे अब आम चलन के रूप में देखा जाने लगा था। सितंबर में जब देश में टीकाकरण के मामले रिकॉर्ड पर पहुंच रहे हैं और बहुत से लोगों को टीका लग चुका है, कंपनियां अब अपने स्टाफ को दफ्तर आने के लिए कहने लगी हैं। हालांकि यह काम चरणबद्ध तरीके से हो रहा है और कई कंपनियां तो इस वर्ष के अंत में कर्मचारियों को वापस बुलाने पर कोई अंतिम निर्णय लेंगी।

कोरोना टीके का असर

कई कंपनियां अब ग्राहकों को हफ्ते में तीन दिन दफ्तर आकर काम करने के लिए कह रही हैं। देश की बड़ी आईटी कंपनियां **TCS,** विप्रो और एपल आदि इनमें प्रमुख हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में जैसे-जैसे गिरावट आ रही है, कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को ऑफिस में बुलाना शुरू कर दिया है। देश की दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो **(Wipro)** ने कहा है कि करीब 18 महीने बाद उसके कर्मचारी सोमवार से ऑफिस आना शुरू कर दिया है। पूरी तरह से वैक्सीन लगवा चुके कर्मचारियों को हफ्ते में दो दिन ऑफिस आने की अनुमति दी गई है।

TCS में भी बुलावा

देश की बड़ी आईटी सर्विस कंपनी **TCS** ने कहा था कि उसके 50 लाख स्टाफ में से 70-80 फीसदी स्टाफ इस साल 2021 के आखिर तक या अगले साल की शुरुआत में ऑफिस आने की तैयारी कर रहे हैं। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी अपने 80 फीसदी स्टाफ को दफ्तर बुलाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने कहा है कि उसके 90 फीसदी स्टाफ को टीका लग चुका है। **TCS** के सीईओ ने कई बार ऐसे संकेत दिए हैं कि स्टाफ को दफ्तर बुलाया जा सकता है। कोरोना के तीसरे चरण के हिसाब से 70-80 फीसदी स्टाफ को दफ्तर बुलाया जा सकता है।

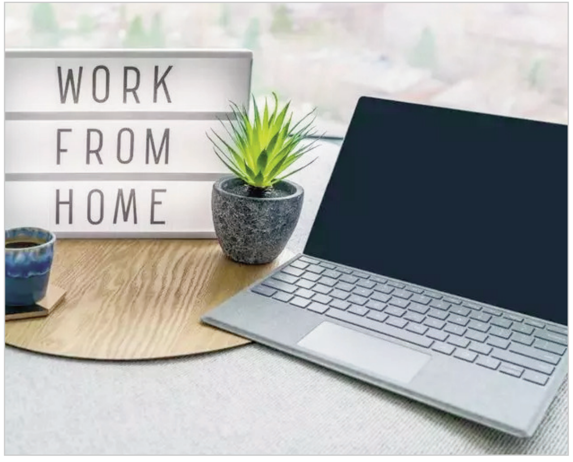

इन्फोसिस कर रही है तैयारी

देश की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस भी अब अपने दफ्तर को कोरोना संकट से पहले की स्थिति में पहुंचाने में जुट गई है। कंपनी अपने 2.6 लाख स्टाफ को दफ्तर बुलाने की तैयारी कर रही है.। कोरोना संकट के दूसरे चरण के बाद की स्थितियों को देखते हुए कंपनी अब अपने स्टाफ को दफ्तर बुलाने जा रही है।

सेंसेक्स 127 अंक टूटा, रिलायंस इंडस्ट्रीज 2 प्रतिशत से अधिक नीचे आया

BSE Fastest Exchange in the world

मुंबई (एजेंसी),

बीएसई सेंसेक्स में सोमवार को समर्थन के अभाव में 127 अंक से अधिक की गिरावट आयी। सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक तथा एचडीएफसी बैंक में नुकसान से सेंसेक्स नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 127.31 अंक यानी 0.22 प्रतिशत टूटकर 58,177.76 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 13.95 अंक यानी 0.08 प्रतिशत फिसलकर 17,355.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर रहा। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक और टेक महिंद्रा में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टीसीएस, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, मारुति और कोटक बैंक शामिल हैं। आंनद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के इक्विटी शोध प्रमुख (बुनियादी) नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''दोपहर के कारोबार में घरेलू शेयर बाजार नकारात्मक दायरे में रहा। वैश्विक स्तर पर अमेरिका में मुद्रास्फीति के रिकार्ड स्तर पर पहुंचने तथा इस स्थिति के चलते फेडरल रिजर्व के जल्दी ही मौद्रिक नीति के मामले में कड़ा रुख किये जाने की आशंका के साथ एशियाई बाजारों में मिला-रुख रहा।''

एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, सिओल और तोक्यो लाभ में रहें जबकि हांगकांग नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी रही। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने बृहस्पतिवार को भारतीय बाजारों में 423.44 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.91 प्रतिशत मजबूत होकर 73.58 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

इंफोसिस, माइक्रोसॉफ्ट ने ऑसग्रिड से किया समझौता

नई दिल्ली।

आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस और माइक्रोसॉफ्ट ने ऑस्ट्रेलिया की विद्युत वितरक कंपनी ऑसग्रिड के क्लाउड ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने के लिए उसके साथ बहुवर्षीय रणनीतिक समझौता किया है। क्लाउट ट्रांसफॉर्मेशन का मतलब क्लाउड कंप्यूटिंग समाधानों की तरफ बढ़ना है। क्लाउट कंप्यूटिंग एक प्रणाली है जिसके तहत कंपनियां इंटरनेट से जुड़े ऑफ-साइट (अपने कार्यस्थल से दूर) डेटा सेंटर के जरिए स्टोरेज या डेवलपमेंट प्लेटफॉर्म जैसी सेवाएं पा सकती हैं। इंफोसिस ने सोमवार को एक नियामकीय सूचना में कहा कि यह कार्यक्रम वहनीयता, विश्वसनीयता और स्थिरता पर ध्यान देते हुए समुदायों को जोड़ने और जीवन को सशक्त बनाने के लिए ऑसग्रिड के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा। ऑसग्रिड के कार्यवाहक मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) निक क्रो ने कहा कि 40 लाख से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई हर दिन हमारी सेवाओं पर निर्भर करते हैं, इसलिए जरूरी है कि हम विश्वसनीयता और संपर्क के अपने ऊंचे मानक को बनाए रखें, साथ ही ऑस्ट्रेलियाई समुदायों की अपेक्षाओं को पूरा करें।

अवसरों का लाभ उठाने के लिए सरकार का उद्योग जगत पर भरोसा जरूरी: निर्मला

(एजेंसी):

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि महामारी से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने के लिए सरकार का उद्योग जगत पर भरोसा जरूरी है और यह देश को एक पीढ़ी आगे ले जा सकता है। सीतारमण ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि महामारी से जो अवसर सृजित हुए हैं उनका लाभ उठाने के लिए सरकार का उद्योगों पर भरोसा महत्वपूर्ण है और यह सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों में स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने उद्योग जगत से निरंतर प्राप्त प्रतिक्रिया और इनपुट का स्वागत करते हुए कहा कि उद्योग के साथ चल रहे संवादों ने सरकार को कई कार्रवाई करने में सक्षम बनाया है। उन्होंने महामारी से निपटने के लिए सरकार की रणनीति के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि एक तरफ टीकाकरण में तेजी लाने पर ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि यह महामारी के खिलाफ बड़ी सुरक्षा है। वहीं, दूसरी ओर सरकार निजी क्षेत्र के सहयोग से टियर दो और टियर तीन शहरों सहित स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने पर काम कर रही है। वित्त मंत्री ने एक बार फिर दुहराया कि सरकार की घोषित विनिवेश योजना पटरी पर है। साथ ही बजट में घोषित विकास वित्त संस्थान शीघ्र शुरू हो जाएगा। उन्होंने इस बात पर भी संतोष व्यक्त किया कि तरलता अब चिंता का विषय नहीं रहा है। 15 अक्टूबर से जरूरतमंद लोगों तक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिन्हें इसकी आवश्यकता है। इससे पूर्व सीआईआई के अध्यक्ष टी. वी. नरेंद्रन ने अर्थव्यवस्था पर सीआईआई के दृष्टिकोण को साझा

करते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दर का 20.1 प्रतिशत रहना अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि यदि टीकाकरण की मौजूदा गति को कायम रखा गया और महामारी की कोई और लहर नहीं आई तो सीआईआई को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2021-22 में आर्थिक विकास दर कम से कम 9.5 प्रतिशत तक रहेगी।

शाओमी ने एक दशक से अधिक समय के बाद एमआई ब्रांडिंग छोड़ी

नई दिल्ली।

शाओमी ने सोमवार को अपने प्रीमियम उत्पादों की नई विजुअल पहचान की घोषणा की। अपनी वैश्विक ब्रांड उपस्थिति को एकजुट करने के उद्देश्य से, इसके प्रीमियम एमआई श्रृंखला के उत्पादों को अब नए शाओमी लोगो से बदल दिया जाएगा। नए ब्रांड पहचान के साथ, मूल कॉर्पोरेट ब्रांड के तहत दो अलग-अलग उत्पाद श्रृंखलाएं होंगी। कॉर्पोरेट ब्रांड का प्रतिनिधित्व एमआई लोगो द्वारा किया जाना जारी रहेगा। दुनिया भर में एक मजबूत उपस्थिति के साथ एक अग्रणी प्रौद्योगिकी ब्रांड होने के नाते, हमारा उद्देश्य एक एकीकृत उपस्थिति रखना है। इस नए लोगो बदलाव के साथ, हम अपने ब्रांड और उत्पादों के बीच धारणा अंतर को पाटने की कल्पना करते हैं। जसकरण सिंह कपानी, मार्केटिंग प्रमुख शाओमी इंडिया ने एक बयान में कहा,नए शाओमी लोगो का उपयोग हमारे प्रीमियम उत्पादों के लिए किया जाएगा जो प्रौद्योगिकी के शिखर का प्रतिनिधित्व करते हैं और एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हैं। त्योहारी सीजन की शुरूआत करते हुए, शाओमी की प्रीमियम उत्पाद श्रृंखला एमआई का नाम बदलकर शाओमी कर दिया जाएगा। पहला आई-ब्रांड वाला स्मार्टफोन, शाओमी एमआई 1, अगस्त 2011 में लॉन्च किया गया था, जो ब्रांड को लगभग 10 साल पुराना बनाता है। पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी ने एमआई ब्रांड के तहत टैबलेट, टीवी, स्मार्ट डिवाइस, ऑडियो एक्सेसरीज और बहुत कुछ लॉन्च किया। शाओमी ने पहली बार जून में सैमसंग और एप्पल को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का नंबर एक स्मार्टफोन ब्रांड बन गया था, जैसा कि हाल ही में एक काउंटरपॉइंट रिसर्च रिपोर्ट में दिखाया गया है। शाओमी की बिक्री जून में 26 प्रतिशत (महीने-दर-महीने) बढ़ी, जिससे यह महीने के लिए सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड बन गया है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की मासिक मार्केट पल्स सर्विस के अनुसार, शाओमी बिक्री के मामले में दूसरी तिमाही 2021 के लिए विश्व स्तर पर नंबर दो ब्रांड रहा है, और संचयी रूप से, 2011 में अपनी स्थापना के बाद से लगभग 800 मिलियन स्मार्टफोन बेचे हैं।

टाटा मोटर्स ने टाटा 407 का सीएनजी संस्करण पेश किया, कीमत 12.07 लाख रुपये

नयी दिल्ली (एजेंसी)

टाटा मोटर्स ने सोमवार को कहा कि उसने अपने हल्के वाणिज्यिक वाहन टाटा 407 का सीएनजी संस्करण पेश किया है जिसकी (एक्स शोरूम, पुणे) कीमत 12.07 लाख रुपये है। टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि सीएनजी का इस्तेमाल करते हुए यह वाहन टाटा 407 के डीजल संस्करण के मुकाबले 35 प्रतिशत ज्यादा मुनाफा देता है। कंपनी के उपाध्यक्ष (प्रोडक्ट लाइन 1 और हल्के वाणिज्यिक वाहन) रुद्ररूप मैत्रा ने कहा, डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि के चलते सीएनजी वाहनों में लाभ बढ़ने की संभावना में उल्लेखनीय वृद्धि होने की क्षमता है और हमें विश्वास है कि 407 सीएनजी, टाटा मोटर्स द्वारा पेश की गयी सबसे विस्तृत सीएनजी रेंज का विस्तार करने के अलावा, हमारे ग्राहकों लिए काफी मूल्य प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि टाटा 407 देश में सबसे बेहतर वाणिज्यिक वाहन रहा है, इसके साथ पिछले 35 साल की विरासत है।

यह वाहन ग्राहक के पसंदीदा वाहनों में से एक है। इसके अब तक 12 लाख वाहन बेचे जा चुके हैं। यह इस श्रेणी में सबसे ज्यादा है। टाटा 407 सीएनजी संस्करण में 3.8 लीटर का सीएनजी इंजन है। इसके साथ ईंधन-कुशल एसजीआई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही अन्य खूबियां भी इसमें शामिल हैं।

पेटीएम ने दिल्ली मेट्रो में शुरू की फास्टैग आधारित पार्किंग सेवा, पूरे देश में शुरू करने की योजना

नयी दिल्ली (एजेंसी),

डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने देश भर में फास्टैग आधारित पार्किंग सेवा शुरू करने की योजना बनायी है। कंपनी ने इस दिशा में पहल करते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के साथ मिलकर इस प्रकार की पहली फास्टैग-आधारित मेट्रो पार्किंग सुविधा शुरू की है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि. (पीपीबीएल) ने सोमवार को कहा कि उसने डीएमआरसी के साथ भागीदारी कर फास्टैग आधारित पहली मेट्रो पार्किंग सुविधा शुरू की है। पीपीबीएल कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर पार्किंग सुविधा को लेकर वैध फास्टैग स्टिकर वाली कारों के लिए सभी फास्टैग-आधारित लेनदेन के प्रसंस्करण की सुविधा प्रदान करेगी। इससे पार्किंग के लिये काउंटर पर रुककर नकद भुगतान करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा, पेटीएम पेमेंट बैंक ने दोपहिया वाहनों के लिये पार्किंग स्थल में प्रवेश को लेकर यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) आधारित भुगतान सुविधा भी देनी शुरू की है। पीपीबीएल ने डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक मंगू सिंह के हवाले से एक बयान में कहा, '' ग्राहकों को समाधान

प्रदान करने को लेकर डीएमआरसी के डिजिटलीकरण प्रयास में यह एक और कदम है। खास तौर पर ऐसे समय में जब संपर्क रहित लेनदेन के तरीके समय की जरूरत है, यह पहल महत्वपूर्ण है।'' भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के अनुसार पेटीएम पेमेंट बैंक जून महीने में एक करोड़ फास्टैग जारी करने वाला देश का पहला बैंक बन गया है।'' जून 2021 तक सभी बैंकों ने 3.47 करोड़ से अधिक फास्टैग जारी किये हैं। बयान के अनुसार, ''पीपीबीएल देश भर में पार्किंग सुविधाओं का डिजिटलीकरण करेगी। इसमें कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पेटीएम के डिजिटल भुगतान समाधान से संचालित होने वाला पहला स्टेशन होगा। कंपनी कई राज्यों में विभिन्न नगर निगमों के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि संगठित और असंगठित दोनों जगहों पर फास्टैग आधारित पार्किंग सुविधाएं शुरू की जा सकें।''

कोहली सभी प्रारूपों में कप्तान बने रहेंगे : बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने सोमवार को उन रिपोर्टो को खारिज किया जिसमें यह कहा गया था कि विराट कोहली आईसीसी टी20 विश्व कप के बाद सीमित ओवरों की कप्तानी पद से इस्तीफा दे सकते हैं। ऐसी रिपोर्ट आई थी कि अगर भारत इस साल अक्टूबर-नवंबर में यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप को जीतने में असफल रहा तो कोहली से सीमित ओवरों की कप्तानी छीनी जा सकती है और उनकी जगह रोहित शर्मा को इसकी जिम्मेदारी मिलेगी। हालांकि, धूमल ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। धूमल ने आईएएनएस से कहा, यह बकवास है और ऐसा कुछ होने नहीं जा रहा है। इस बारे में बस मीडिया में चर्चा चल रही है। बीसीसीआई ने इस मामले को लेकर कोई चर्चा नहीं की है। इससे पहले, यह रिपोर्ट आई थी कि कोहली टेस्ट क्रिकेट में काफी सफल हैं लेकिन सीमित ओवरों के आईसीसी इवेंट में उनकी असफलता के कारण रोहित को इसका जिम्मा सौंपा जा सकता है। सूत्रों ने कहा था कि बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की हार के बाद से इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं, जहां वे कथित तौर पर भारतीय कप्तान के टीम चयन से नाखुश थे।

यूएस ओपन

जोकोविच को हराकर मेदवेदेव ने जीता पुरुष एकल का खिताब

न्यूयार्क।

विश्व के नंबर-2 खिलाड़ी रूस के डेनिल मेदवेदेव ने विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर यहां हुए वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। मेदवेदेव ने फाइनल में जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर इतिहास रचते हुए अपना पहला बड़ा खिताब जीता। इस हार के साथ ही जोकोविच का कैलेंडर स्लैम पूरा करने का सपना अधुरा रह गया।जोकोविच ने इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और विबंलडन का खिताब जीता था और अगर वह यूएस ओपन को जीतने में सफल रहते तो वह 1969 में रोड लावेर के बाद कैलेंडर स्लैम पूरा करने वाले पहले टेनिस खिलाड़ी बन जाते। हालांकि, मेदवेदेव ने जोकोविच का यह सपना पूरा होने नहीं दिया और फाइनल में हराकर इस खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही मेदवेदेव येवगेनी काफेलनिकोव और मरात साफिन के बाद रूस के ऐसे तीसरे टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं जिनके नाम ग्रैंड स्लैम जीतने की उपलब्धि है। जोकोविच स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर और स्पेन के राफेल नडाल के 20 ग्रैंड स्लैम की बराबरी पर हैं। उनके पास यूएस ओपन को जीत रिकॉर्ड 21वां ग्रैंड स्लैम हासिल करने का मौका था जो उन्होंने इस हार के साथ ही गंवा दिया। जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा, आपको कभी पता नहीं चल सकता कि आप अपने करियर में कोई बड़ा खिताब जीत पाएंगे या नहीं। मुझे हमेशा से पता था कि मुझे ऐसा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। उन्होंने कहा, यह एहसास काफी सुखद है। यह मेरा पहला ग्रैंड स्लैम है। मुझे नहीं पता कि अगर मैं दूसरा या तीसरा ग्रैंड स्लैम जीतूंगा तो मुझे कैसा लगेगा। लेकिन यह मेरा पहला खिताब है तो मैं काफी खुश हूं। यह मेरे लिए काफी मायने रखता है। मेदवेदेव दो साल पहले भी यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे थे और उन्हें नडाल के हाथों पांच सेटों तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

यूएस ओपन : स्तोसुर और शुआई की जोड़ी ने जीता महिला युगल का खिताब

न्यूयॉर्क।

ऑस्ट्रेलिया की सामंता स्तोसुर और चीन की झांग शुआई की जोड़ी ने अमेरिकी जोड़ी कोको गौफ और कैटी मैकनेली को हराकर यूएस ओपन महिला युगल वर्ग का खिताब जीत लिया। 14वीं सीड ऑस्ट्रेलियाई और चीन की जोड़ी ने फाइनल में 11वीं सीड अमेरिकी जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर एक टीम के रूप में अपना दूसरा महिला युगल ग्रैंड स्लैम का खिताब जीता। स्तोसुर और झांग ने 2019 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब भी जीता था। इन्होंने इसके साथ ही अपने लगातार 11 मुकाबले जीत लिए हैं। यूएस ओपन में आने से पहले इन्होंने पिछले महीने सिनसिनाटी का खिताब जीता था। स्तोसुर के नाम अब चार महिला युगल ग्रैंड स्लैम का खिताब हो गया है जिसमें से दो उन्होंने यूएस ओपन में जीते हैं। उन्होंने 2005 में लिसा रेमोंड के साथ यूएस ओपन जीता था जबकि 2006 में रेमोंड के साथ फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया था। इसके अलावा स्तोसुर के नाम तीन मिक्सड युगल ग्रैंड स्लैम का खिताब है।

शुभंकर शर्मा 66 के शानदार कार्ड के साथ बीएमडब्ल्यू पीजीए में शीर्ष 10 में रहे

वेंटवर्थ (ब्रिटेन)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने 2021 बीएमडब्ल्यू पीजीए चैम्पियनशिप के आखिरी दौर में छह अंडर 66 का शानदार कार्ड खेल अपने अभियान को संयुक्त नौवें स्थान के साथ खत्म किया। तीसरे दौर के आखिरी चार होल में लगातार 4 बर्डी लगाने वाले शुभंकर ने चौथे दौर में 7 बर्डी के मुकाबले एक बोगी किया। उन्होंने कुल अंडर-15 का स्कोर बनाया। उन्होंने सत्र के अंत में होने वाली 'रेस टू दुबई वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप' के लिए क्वालीफाई करने की अपनी स्थिति को मजबूत करते हुए रैंकिंग में 26 स्थान का सुधार किया। वह अब 78वें पायदान पर है। इसमें टूर्नामेंट में शीर्ष 60 गोल्फ खिलाड़ी जगह बनाते हैं। शुभंकर इस सत्र में अच्छे लय में चल रहे है। उन्होंने पांच टूर्नामेंटों में भाग लिया है जिसमें से दो में शीर्ष 10 और दो में शीर्ष 20 में रहे है।

भारतीय खिलाड़ियों ने कोरोना चिंताओं के कारण पांचवें टेस्ट में खेलने से मना किया : गांगुली

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने कहा है कि कोरोना चिंताओं के कारण भारतीय खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट में खेलने से मना किया। उन्होंने साथ ही इस बात को खारिज किया कि इस फैसले के पीछे आईपीएल की कोई भूमिका है भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर में होने वाला पांचवां टेस्ट मुकाबला भारतीय कैंप में कोरोना के मामले सामने आने के बाद टॉस होने से कुछ घंटे पहले ही रद्द कर दिया गया था। द टेलीग्राफ के हवाले से गांगुली ने कहा, खिलाड़ियों ने खेलने से मना किया लेकिन आप उन्हें दोष नहीं दे सकते। फिजियो योगेश परमार खिलाड़ियों के करीबी संपर्क में थे। ऐसा तब ही हो सकता था जब नितिन पटेल खुद को आईसोलेट कर लेते। उन्होंने कहा, वह इनकी मसाज करते थे और इनके दिनचर्या का हिस्सा थे। खिलाड़ी परेशान हो गए जब इन्हें पता चला कि वह कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इन्हें इस बात का डर लगा कि कहीं वे इस वायरस की चपेट में नहीं आ जाएं। बबल में रहना आसान नहीं है। आपको इनके भावनाओं की कद्र करनी चाहिए। इससे पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा था कि भारत के खिलाड़ी आईपीएल से पहले पॉजिटिव मामले से डर गए थे, जो 19 सितंबर को यूएई में फिर से शुरू होगा।

हालांकि, बीसीसीआई प्रमुख ने कहा कि रद्द करने का इस टूर्नामेंट से कोई लेना-देना नहीं है। गांगुली ने कहा, बीसीसीआई कभी भी गैर-जिम्मेदार बोर्ड नहीं रहा है। हम अन्य बोर्ड को भी महत्व देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

क्रिकेट काफी हद तक तकनीक पर निर्भर होगा : कुंबले

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि भविष्य में तकनीक और डेटा इंटेलिजेंस पर क्रिकेट अधिक निर्भर होगा। आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के कोच कुंबले ने एक वेबिनार में कहा, क्रिकेट में पहले से ही डीआरएस (निर्णय समीक्षा प्रणाली) का प्रभाव है और मुझे यकीन है कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, निर्णय लेने पर अधिक तकनीकी प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, मुझे यह पता है, हम अभी भी उस बहस को खत्म कर रहे हैं, क्या खेल में बहुत अधिक तकनीक है या क्या मुझे अपने स्वयं के विश्वास पर वापस जाना चाहिए कि ठीक है, मैं गेंद को देखता हूं, गेंद को हिट करता हूं, यह आसान तरीका है। हां, यह आसान तरीका है, लेकिन फिर मुझे लगता है, यदि आप आने वाली तकनीक के अनुकूल खुद को नहीं ढाल रहे हैं और खेल की भलाई के लिए तकनीक का उपयोग नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि लोग पीछे रह जाएंगे।

इलियट की चोट के कारण लीड्स में लिवरपूल की जीत

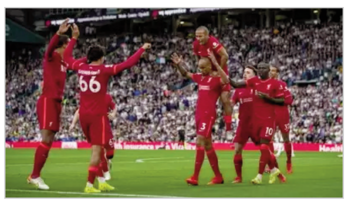

लंदन। पूर्व चैंपियन लिवरपूल ने रविवार को लीड्स युनाइटेड को 3-0 से हराकर स्ट्राइकर मोहम्मद सलाह के साथ लीड्स में अपना 100वां प्रीमियर लीग गोल किया। हेनरिक फैबिन्हो और सदियो माने ने एक-एक गोल करके लिवरपूल के लिए एक आसान जीत दर्ज की। फैबिन्हो ने अपना दूसरा गोल 50वें मिनट में किया, जबकि माने ने तीसरा डीप इंजरी टाइम में जोड़ा। सलाह 100 गोल तक पहुंचने वाले पांचवें सबसे तेज खिलाड़ी बन गए, जब उन्होंने 20 मिनट के बाद गेंद को नेट में डालने से पहले जोएल मैटिप और ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के साथ पास का आदान-प्रदान किया। उनके 100 गोल 162 लीग मैचों में हुए। एलन शीयर के नाम सबसे तेज निशाने पर होने का रिकॉर्ड है, क्योंकि उन्होंने इसे 124 प्रदर्शनों में हासिल किया था। हालांकि, मिडफील्डर हार्वे इलियट की चोट के कारण जीत खराब हो गई, जो लीड्स सेंटर-बैक पास्कल स्ट्रुइज्क ने उन्हें नीचे लाए जाने पर लिवरपूल ब्रेक का नेतृत्व कर रहे थे। स्ट्रुइज्क को उनके खराब टैकल के लिए एक लाल कार्ड दिखाया गया जिसने इलियट को स्ट्रेचर पर बाहर भेज दिया। इस जीत ने जुएर्गन क्लॉप के पक्ष को चार गेम से 10 अंक तक ले जाने में मदद की, जो मैनचेस्टर युनाइटेड और चेल्सी के समान है। इससे पहले रोमेलु लुकाकू ने ब्रेस की मदद से चेल्सी को शनिवार रात एस्टन विला को 3-0 से हराया। ब्लूज के लिए तीसरा गोल माटेओ कोवासिक ने किया। यह मैनचेस्टर युनाइटेड के साथ इंग्लिश लीग में चेल्सी की 600वीं जीत थी, जो इस मील के पत्थर तक पहुंचने वाली एकमात्र अन्य टीम थी, जिसने 690 जीत हासिल की।

हार को सहना मुश्किल, लेकिन टेनिस में हम जल्द ही सीख जाते हैं : जोकोविच

न्यूयॉर्क।

यूएस ओपन के फाइनल में रूस के डेनिल मेदवेदेव के हाथों मिली हार के बाद विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा है कि इस हार को सहना मुश्किल है लेकिन टेनिस में लोग जल्द ही सीख जाते हैं। जोकोविच ने इस साल तीन ग्रैंड स्लैम जीते थे और अगर वह यूएस ओपन को जीतने में सफल रहते तो वह 1969 में रोड लावेर के बाद एक ही सीजन में चार ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले पहले व्यक्ति बन जाते। भावुक जोकोविच ने एटीपीटूर डॉट कॉम से कहा, इस हार को सहन करना मुश्किल है। लेकिन दूसरी तरफ मैंने यहां न्यूयॉर्क में ऐसा महसूस किया जो कभी जीवन में महसूस नहीं किया। दर्शकों ने मुझे विशेष महसूस कराया। यह मेरे लिए आश्चर्यजनक था। 2015 में विंबलडन जीतने के बाद जोकोविच ने अपने पिछले 14 में से 12 ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबले को जीता है। उन्हें पिछले साल फ्रेंच ओपन में राफेल नडाल और 2016 में फ्लशिंग मिएडोव्स में स्विटजरलैंड के स्टान वावरिंका से हार का सामना करना पड़ा था। जोकोविच ने कहा, दर्शकों से मुझे जो समर्थन और ऊर्जा और प्यार मिला, वह कुछ ऐसा था जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा। यह 21 ग्रैंड स्लैम जीतने जितना मजबूत है। मुझे ऐसा ही लगा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे बहुत, बहुत खास लगा। उन्होंने कहा, मेदवेदेव की मानसिकता को पूरा श्रेय जाता है। वह निश्चित रूप से बेहतर खिलाड़ी हैं और जीत के हकदार थे, इसमें कोई शक नहीं। जोकोविच ने कहा, बेशक मैं आज पूरे खेल से निराश हूं। मुझे पता है कि मैं बेहतर कर सकता था और करना चाहिए था। लेकिन यह खेल है। कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। यह एक कठिन हार है, बहुत कठिन हार है। लेकिन साथ ही मैं उनके लिए खुश हूं क्योंकि वह एक अच्छे लड़के हैं और वह इसके हकदार थे।

भाला फेंक के कोच उवे हॉन हटाए गए,एएफआई ने कहा दो नए विदेशी कोच की नियुक्ति होगी

जयपुर : भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने सोमवार को घोषणा की कि उसने भाला फेंक के राष्ट्रीय कोच उवे हॉन से नाता तोड़ दिया है क्योंकि वह उनके प्रदर्शन से खुश नहीं था और वह जल्द ही दो नए विदेशी कोच नियुक्त करेगा। पूर्व विश्व रिकार्ड धारक 59 वर्षीय जर्मन हॉन का अनुबंध टोक्यो ओलंपिक तक ही था। एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने कहा कि हम दो नए कोच की नियुक्ति करने जा रहे हैं तथा हम उवे हॉन को बदल रहे हैं क्योंकि हम उनके प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। हम तूर (गोला फेंक के एथलीट ताजिंदरपाल सिंह तूर) के लिये भी विदेशी कोच देख रहे हैं। सुमरिवाला महासंघ की कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में एएफआई की योजना समिति के अध्यक्ष ललित भनोट और उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जार्ज ने भी हिस्सा लिया। हॉन को ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा और टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाले दो अन्य एथलीटों शिवपाल सिंह और अनु रानी जैसे खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए नवंबर 2017 में एक साल के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

जोए रूट बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जोए रूट और आयरलैंड की ऑलराउंडर इमिएर रिचर्डसन को अगस्त महीने के लिए क्रमशः पुरुष और महिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। आईसीसी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। रूट ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को पिछे छोड़ कर यह पुरस्कार जीता। रूट ने अगस्त में भारत के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों में 507 रन बनाए। आईसीसी वोटिंग अकादमी के पैनलिस्टों में से एक दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जेपी डुमिनी ने कहा, कप्तान के रूप में उनके कंधों पर जिम्मेदारी थी जिसके बाद भी उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। मैं वास्तव में प्रभावित हुआ कि उन्होंने आगे आ कर टीम का नेतृत्व किया और दुनिया में नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज बन गए। इमिएर ने पिछले महीने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप यूरोप क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया, जिसके कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। उन्होंने टूर्नामेंट में 4.19 के औसत से सात विकेट लिए थे। इमिएर का गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी अहम योगदान रहा। उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ अपने अंतिम मैच में 49 गेंदों में 53 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और टूर्नामेंट में कुल 76 रन बनाए। इमिएर ने कहा, अगस्त के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामांकित होना बहुत रोमांचक था और अब विजेता के रूप में मुझे अद्भुत महसूस हो रहा है। यूरोपीय क्वालीफायर में टीम के लिए योगदान देना मेरे लिए बहुत अच्छा रहा और उम्मीद है कि हमने अगले चरण में जगह बनाने के लिए काफी कुछ किया है और हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर भाग लेंगे।

बेंगलुरु में सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 25 खिलाड़ियों का चयन

नई दिल्ली।

टोक्यो ओलंपिक खेलों में अपनी सफलता के बाद, हॉकी इंडिया (एचआई) ने 13 सितंबर को बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण परिसर में शुरू होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 25 खिलाड़ियों को चुना है। कोर ग्रुप जिसमें 16 खिलाड़ी भी शामिल हैं। यह ओलंपिक खेलों में भारतीय दल का हिस्सा थे। यह खिलाड़ी शिविर के लिए रविवार को बाद में रिपोर्ट करेंगे। शिविर का 20 अक्टूबर को खत्म होगा।मुख्य संभावित समूह में सविता, रजनी एतिमारपू, दीप ग्रेस एक्का, रीना खोखर, गुरजीत कौर, निशा, निक्की प्रधान, मोनिका, नेहा, सुशीला चानू पुखरामबम, नमिता टोप्पो, रानी, वंदना कटारिया, नवजोत कौर, नवनीत कौर, उदिता शामिल हैं अनुभवी खिलाड़ी लिलिमा मिंज, रश्मिता मिंज, ज्योति, राजविंदर कौर और मनप्रीत कौर को भी शामिल किया गया है साथ ही गगनदीप कौर, मारियाना कुजूर, सुमन देवी थौडम और महिमा चौधरी जिन्हें सीनियर कोर ग्रुप में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बीच, सलीमा टेटे, लालरेम्सियामी और शर्मिला जो ओलंपिक टीम का हिस्सा थीं, वे जूनियर भारतीय महिला टीम के बेंगलुरु में उसी परिसर में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल होंगी। बिचु देवी खरीबाम जो ओलंपिक कोर ग्रुप का भी हिस्सा थीं, अब जूनियर राष्ट्रीय शिविर में शामिल होंगी। जूनियर महिला कोर ग्रुप इस साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप की तैयारी कर रही है।मुख्य संभावित ग्रुप में : सविता, रजनी एतिमारपू, दीप ग्रेस एक्का, रीना खोखर, मनप्रीत कौर, गुरजीत कौर, निशा, निक्की प्रधान, मोनिका,

नेहा, लिलिमा मिंज, सुशीला चानू पुखरामबम, नमिता टोप्पो, रानी, वंदना कटारिया, नवजोत कौर, नवनीत कौर, राजविंदर कौर, उदिता, रश्मिता मिंज, ज्योति, गगनदीप कौर, मारियाना कुजूर, सुमन देवी थौडम और महिमा चौधरी।

यूएई में मुंबई इंडियंस को फायदा मिलेगा : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर का मानना है कि आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को यूएई में खेलने का फायदा मिलेगा। गंभीर का मानना है कि यूएई का वातावरण मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों को सूट करता है। उन्होंने कहा, वे ऐसे माहौल में खेलेंगे जहां वे आमतौर पर नहीं खेलते हैं। चेपक और दिल्ली में वातावरण वानखेड़े से पूरा अलग है। वे ऐसे माहौल में खेलेंगे जो तेज गेंदबाजी के लिए सूट करता है। उन्होंने कहा, यहां स्विंग भी होती है तो तेज गेंदबाज खतरनाक साबित हो सकते हैं। मुंबई चाहता है कि गेंद स्विंग करे और उनके पास ऐसे गुणवत्ता वाले गेंदबाज हैं जो उनके लिए फायदेमंद होगा। उनके बल्लेबाज भी चाहते हैं कि गेंद बल्ले पर आए। रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी चेपक में संघर्ष करते हैं। गंभीर ने कहा, वे अबु धाबी या दुबई में संघर्ष नहीं करेंगे। यही कारण है कि मुझे लगता है मुंबई को फायदा मिलेगा। वह धीमी शुरूआत नहीं करेंगे क्योंकि उनके पास सात मुकाबले हैं और उन्हें क्वालीफाई करने के लिए पांच मैच जीतने होंगे। मुंबई आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में अपने अभियान की शुरूआत तीन बार के चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 19 सितंबर को दुबई में होने वाले मुकाबले से करेगा।

सिल्की बालों के लिए

सा करने से सिर में गे बेसन के कण च्छी तरह से सिर के लों से निकल जाते हैं ौर बाल चमकदार गने लगते हैं।

न चम्मच बेसन में डेढ़ गिलास पानी मिला कर इसे

सिर के बालों में आधा घन्टे तक लगाए रखें। इसके बाद बालों को गुनगुने पानी से धो डालें। सूखने पर अच्छी तरह से बालों को झाड़ लें। ऐसा करने से सिर में लगे बेसन के कण अच्छी तरह से सिर के बालों से निकल जाते हैं और बाल चमकदार लगने लगते हैं। बालों को न तो ज्यादा तेज गरम पानी से धोने चाहिए और न ही बालों को रगड़कर पोंछना चाहिए। बालों को सुखाने के लिए खुरदरा नहीं बल्कि नरम रोएँदार तौलिया इस्तेमाल में लाना चाहिए। सिर पर तौलिये को लपेट कर थपथपा कर सिर का पानी सुखाना चाहिए।

सेब का सलाद एक मीठा और स्फूर्तिदायक ब्रेकफास्ट रेसिपी है।

सामग्री : 1/2 कप किशमिश, 1 कप शकर, 3/4 कप पीली चटनी, एक कप खट्टा क्रीम, तीन केले (कटे हुए), एक कप पीकन (भिदुरकाष्ठ फल) (कटा हुआ), 5 लाल सेब (टुकड़े), दो कप मिनी मार्शमैलो, एक कप मीठा अनानास (टुकड़े)

विधि : सभी सामग्री को एक बड़े बर्तन में मिला लीजिए और उसे अच्छे से मिला लीजिए, ताकि वह एक जैसा हो जाएं। इसे फ्रीज में रख दीजिए। सेब का सलाद परोसने के लिए तैयार है। अजवायन डाल लें। अब इन सबको सलाद के ऊपर अच्छी तरह फैला लें। इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें और ठंडा होने पर छोटे बन के साथ सर्व करें।

सुपर वुमन भी है
लाड़ली बहू

समय बदला है तो लड़कियों के प्रति नजरिया भी बदला है। उन्हें एक इंसान की तरह देखा और स्वीकार किया जाने लगा है यह माना जाने लगा है कि उसकी भी पसंद-नापसंद, रुचि-अरुचि हो सकती है। यदि वह अच्छी प्रोफेशनल है तो जरूरी नहीं है कि उसे पारंपरिक रूप से महिलाओं के हिस्से आई जिम्मेदारियों को उठाने में भी माहिर होना ही चाहिए। इससे पहले लड़कियों को ये सहूलियतें नहीं दी थी जो आज है।

शादी के लिए अच्छा खाना पका लेना या सिलाई-कढ़ाई कर लेने जैसी शर्तें आजकल शिथिल हुई है। रोहन सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। शादी के लिए उसकी बस इतनी ही शर्त थी कि लड़की पढ़ी-लिखी हो। तान्या से उसका रिश्ता तय हुआ। तान्या भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है।

नए जमाने की लड़की है ख्याल, रहन-सहन, पहनावा एकदम आधुनिक है। माँ-बाप की इकलौती लड़की है उसके लिए शादी यानी टिपिकल पति-पत्नी वाला हिसाब नहीं है, बल्कि दो अच्छे दोस्तों का साथ मिलकर लाइफ शेयर करना ही उसकी नजर में शादी है। रोहन को तान्या पसंद है, उसकी आधुनिकता, पहनावे, लाइफ स्टाइल पर उसे कोई आपत्ति नहीं है। पहली मुलाकात में जब तान्या ने उसे बताया कि उसे खाना बनाना नहीं आता, तो चौंकने की बजाय रोहन बोला, च्कोई बात नहीं, मैं फास्ट फूड बना लेता हूँ।

हॉस्टल में जो रहा हूँ...बाकी मेड सर्वेंट रहेगी ही। तान्या शालीन है, वैल ग्रुड है और बड़ों का आदर करती है। रोहन की माँ का कहना है, भई वो जमाने गए जब आठवीं पास करते ही लड़कियों को रसोई में धकेल दिया जाता था। जाहिर-सी बात है, दिन-रात पढ़ाई में जुटी लड़कियों के लिए रसोई में जाने की फुरसत है कहाँ? सीख लेगी धीरे-धीरे... शर्मा आंटी की बहू एक कंपनी की एमडी है। उसे खाना बनाना आता तो है, मगर खाना बनाने में रुचि नहीं है।

घर में नौकरानी है, मगर शर्मा अंकल और उनके बेटे को नौकरानी के हाथ का भोजन पसंद नहीं। शर्मा आंटी अब भी जिम्मेदारी से रसोई का सारा काम सम्हालती है। वे कहती हैं मेरी बहू यदि भोजन बनाने में रुचि नहीं रखती तो जबरन उससे वह काम क्यों करवाऊँ? मुझे खाना बनाने का शौक है, सो मैं अपना शौक पूरा करती हूँ। इसमें बुराई क्या है?

इन उदाहरणों को देख-सुनकर मन को राहत का झोंका छू जाता है। आज समय तेजी से बदल रहा है, अब नारी की आर्थिक स्वतंत्रता केवल घर का ढाँचा बरकरार रखने के लिए ही मायने नहीं रखती, वरन्पति और ससुराल वाले भी उसकी तरक्की-सफलता को अपना गौरव मानते हैं।

आज से एक दशक पहले भी स्त्री अपने पैरों पर खड़ी थी, मगर तब घर-बाहर की जिम्मेदारी उसी के सिर थी। पति या ससुराल पक्ष से सहयोग न के बराबर था। मगर आज स्थितियाँ तेजी से बदली हैं। घर की बुनावट में स्त्री को विशेषतः बहू को खासी अहमियत मिलने लगी है। उसे दकियानूसी परंपराओं, रीति-रिवाजों और पुरानी मान्यताओं से बाहर निकलने का मौका दिया गया है। पति की तरह ही उसे भी दफ्तर की जिम्मेदारियों को निभाने व समय देने का मौका दिया जा रहा है।

घर-परिवार के अलावा उसका सर्कल, उसके सहकर्मी, उसका ओहदा भी सम्माननीय है। उसे अपने अनुसार जीने, पहनने-ओढ़ने की छूट है...क्या ऐसा नहीं लगता कि स्त्री अब सचमुच स्वतंत्र हो रही है? अक्षिता के पिताजी का स्वर्गवास हो गया है। शादी के समय ही अक्षिता ने स्पष्ट कर दिया कि वह न केवल अपनी माँ की भी देखभाल करेगी, वरन्अपनी तनख्वाह का कुछ हिस्सा उन पर खर्च करेगी।

अक्षिता के पति व ससुराल वालों ने यह बात सहर्ष स्वीकार कर ली और आज अक्षिता बेटे की तरह ही अपनी माँ का ख्याल रखती है। समयानुसार अपने में परिवर्तन लाते जाना, नया ग्रहण करना और पुराना (जो अनुपयोगी हो) छोड़ते जाना ही बुद्धिमानी है। अप्रासंगिक, गैरजरूरी मान्यताएँ छोड़ना, नई सोच, नई मान्यताओं को जीवन में स्थान देना ही सुखी जीवन का मूलमंत्र है। कल जो भी हुआ हो, आज बदलाव की सुहानी बयार चल पड़ी है जो सचमुच खुशगवार है, कुछ नएपन का इशारा कर रही है।

ऱर लड़की सुंदर दिखना चाहती है और इसके लिए वह तमाम तरह के सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल भी करती है, ोकिन सौंदर्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने लड़कियों के भीतर आज हर्बल सौंदर्य प्रसाधनों के प्रति गजब का आकर्षण पैदा कर दिया। आज वे स्किन केयर, हेयर केयर और बॉडी केयर के लिए हर्बल प्रोडक्ट्स को ही चुन रही हैं। महिलाओं को आज यह भी समझ आ रहा है कि कैमिकल्स युक्त ब्यूटी प्रोडक्ट्स सुंदरता तो देते हैं, ोकिन उनके साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं, जबकि हर्बल प्रोडक्ट्स उन्हें प्राकृतिक सुंदरता देते हैं।

ब्यूटी प्रोडक्ट्स हमको हर्बल ही मांगता

Herbal essences
hydralicious

कहते हैं सुंदर दिखना हर स्त्री की कमजोरी होती है। वह सुंदर दिखने और अपनी सुंदरता को बनाए रखने के लिए तमाम तरह के सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल सदियों से करती आई है। लेकिन ऐसा संभवतः पहली बार हो रहा है कि इस समय भारतीय कॉस्मेटिक बाजार फॉरेस्ट एसेन्शियल्स, बायोटिक्स, हिमालया, ब्लोसम कोचर, वीएलसीसी, डाबर, लॉटस, अयूर, नेचर और आयुर्वेद जैसे हर्बल कॉस्मेटिक ब्रांड से भरा हुआ है। इसका कारण है- ब्यूटी इंडस्ट्री में हर्बल प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग।

दरअसल आज की महिलाएं ब्यूटी प्रोडक्ट्स के चुनाव को लेकर बहुत सतर्क हो गई हैं। उन्हें पता है कि कैमिकल्स युक्त ब्यूटी प्रोडक्ट्स सुन्दरता तो देते हैं, मगर उनके साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। महिलाएं जानती हैं कि हर्बल ब्यूटी प्रोडक्ट्स भले ही तुरन्त जादुई निखार न दे पाएं, लेकिन उनके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। इसलिए वे महंगे कॉस्मेटिक्स के साथ हानिरहित हर्बल प्रोडक्ट्स की तरफ

का गणित समझाया। शहनाज हुसैन मानती हैं कि प्रकृति में सौन्दर्य का बेजोड़ खजाना छिपा है, बस जरूरत है उसे प की। वह मानती हैं कि मीडिया के बढ़ते प्रभाव की वजह से आज महिलाओं में सौन्दर्य प्रसाधनों को लेकर जानका है। वे ब्यूटी प्रोडक्ट्स के इंग्रीडियन्ट यानी उनमें होने वाले कैमिकल्स की मात्र को लेकर काफी सतर्क हो गई हैं। उन्हे कि ऐलोवेरा युक्त क्रीम फ्रेशनेस बढ़ती है और मिनरल युक्त कंडिशनर से बालों को मजबूती मिलती है। वे कहती हैं अपने करियर के शुरुआती दौर में लोगों को हर्बल प्रोडक्ट्स के इन्ही फायदों से रू-ब-रू कराया।

प्रकृति में छिपा सौन्दर्य का खजाना

शहनाज हुसैन मानती हैं कि प्राकृतिक चीजों से जो सौन्दर्य मिलता है, वो सबसे शुद्ध और प्रभावशाली होता है, प्रकृति में ही सुन्दरता का असली खजाना छिपा है। इसलिए प्रकृति में छिपे खजाने को खोज कर, उनसे होने वाले और नुकसानों पर रिसर्च करने के बाद, अलग-अलग आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, पौधों और फलों को मिला कर बना हैं हर्बल ब्यूटी प्रोडक्ट्स। खादी भवन को प्योरिटी के लिए जाना जाता है। यहां पर हर्बल ब्यूटी प्रोडक्ट्स की बड़ी रेंज है। अपने हर्बल प्रोडक्ट्स के लिए मशहूर खादी ग्रामोद्योग में काम करने वाले मानते हैं कि हर्बल प्रोडक्ट्स सिर्फ सौन्दर्य ही नहीं बढ़ाते, बल्कि वे समस्या को जड़ से खत्म करते हैं। साथ ही हर्बल प्रोडक्ट्स को इस गारंटी के साथ ब सकता है कि एक बार इस्तेमाल के बाद ग्राहक दोबारा जरूर आएगा। आज भारत में स्किन व लेकर फुट केयर तक और हेयर केयर से लेकर वजन कम करने वाले तक हर्बल प्रो बनाने वाली कम्पनियां मौजूद हैं। ये कम्पनियां महिलाओं को सौन्दर्य से जुड़ी हर्बल जैसे नीम, तुलसी, ऐलोवेरा से होने वाले फायदे बताती हैं, जिससे उनमें इन्हीं ची मिलाकर बने ब्यूटी प्रोडक्ट्स को लेकर उत्सुकता पैदा हो और वे हर्बल प्रोडक तरफ आकर्षित हों।

घर में ही बनाएं अपने हर्बल ब्यूटी प्रोडक्ट्स

यह सच है कि हर्बल ब्यूटी प्रोडक्ट्स सुन्दरता बढ़ाते हैं और उन साइड इफेक्ट भी नहीं होते। मगर इस बात से भी इंकार नहीं किया जा कि इनकी कीमत साधारण ब्यूटी प्रोडक्ट्स से कहीं ज्यादा होती है। इसलि खरीद पाना हर किसी के बजट में नहीं होता। ऐसे में आप घर पर भ प्रोडक्ट्स बना सकती हैं। बाजार में मिलने वाले हर्बल प्रोडक्ट्स रेडी टू यूज इसलिए इन्हें इस्तेमाल करना आसान होता है। लेकिन घर में इन प्रोडक्ट्स को ब लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी

सार समाचार

रॉकेट हमले के जवाब में इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों को बनाया निशाना

यरुशलम। हमास शासित क्षेत्रों से सिलसिलेवार दागे गए रॉकेट के जवाब में सोमवार को इजराइली लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी पर कई ठिकानों पर हमला किया। लगातार तीन रातों से यह लड़ाई जारी है। गत सप्ताह इजराइल की एक जेल से छह फलस्तीनी कैदियों के भागने के बाद से तनाव बढ़ गया है। पिछले महीने 11 दिन तक चले युद्ध के मद्देनजर मिस्र ने दीर्घकालिक शांति के लिए मध्यस्थता करने की पेशकश की थी। इजराइली सेना के अनुसार, हमास ने रविवार और सोमवार को रॉकेट से तीन अलग-अलग हमले किये जिनमें से कम से कम दो को नाकाम कर दिया गया। सेना ने बताया कि इसके जवाब में इजराइल ने हमास के ठिकानों को अपना निशाना बनाया। दोनों पक्ष से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र ने सोमाली नेताओं से राजनीतिक कलह से दूर रहने का आग्रह किया

मोगादिशू। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना जे. मोहम्मद ने सोमाली राजनीतिक नेताओं से राजनीतिक कलह से दूर रहने का आह्वान किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को मोगादिशु की एक दिवसीय यात्रा करने वाले मोहम्मद ने कहा कि सोमालिया ने अपनी चल रही चुनावी प्रक्रिया के साथ काफी गति हासिल की है और नेताओं से देश में राजनीतिक तनाव को कम करने का आग्रह किया है। राष्ट्रपति मोहम्मद फरमाजो और प्रधान मंत्री मोहम्मद रोबले से मुलाकात करने वाले संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह गति बनी रहे और महत्वपूर्ण चुनाव निर्धारित समय पर आगे बढ़ें, मुझे उन सभी से प्रतिबद्धता सुनने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने कहा कि मुझे सोमालिया के नेतृत्व में किसी भी तरह के तनाव को कम करने और हिंसा का कारण बनने वाली कार्रवाई से बचने के लिए कहा गया है। सोमालिया वर्तमान में अपने उच्च सदन के लिए चुनाव कर रहा है और अपने निचले सदन के चुनाव की तैयारी कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय साझेदार देश के चुनावों को आगे बढ़ाने के राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करने में लगे हुए हैं।

टेक्सास तट के कुछ हिस्सों में तूफान आने की आशंका

ह्यूस्टन। दक्षिण-मध्य टेक्सास तट के कुछ हिस्सों में तूफान आने की आशंका है, जो कि ट्रॉपिकल स्टॉर्म निकोलस की तैयारी कर रहे हैं। इसके सोमवार को मजबूत होने की आशंका है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचसी) ने कहा कि तूफान के कारण सोमवार को 65 मील प्रति घंटे की निरंतर हवाएं चल सकती है, जिसमें तूफान का केंद्र मैक्सिको की खाड़ी और दक्षिणी टेक्सास के पूर्व में स्थित है। एनएचसी ने कहा, हालांकि तीव्रता के पूर्वानुमान में स्पष्ट रूप से नहीं दिखाया गया है, निकोलस उत्तर पश्चिमी खाड़ी तट के पास तूफान की ताकत तक पहुंच सकता है, खासकर अगर यह एनएचसी पूर्वानुमान ट्रैक के दाईं ओर बढ़ता है और अगर बारिश ज्यादा होती है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक तूफान घड़ी का मतलब है कि स्थिति (कम से कम 74 मील प्रति घंटे की निरंतर हवाएं) घड़ी जारी होने के 48 घंटों के भीतर संभव है। निकोलस, अटलांटिक तूफान के मौसम का 14वां नामित तूफान, रविवार को पहले मैक्सिको की खाड़ी में बना है। अटलांटिक बेसिन में एक 14वां नामित तूफान, एक औसत मौसम में तूफानों की कुल संख्या, आमतौर पर 18 नवंबर तक नहीं बनी है।

24 दिसंबर को लीबिया में पश्चिमी दूतावासों के चुनाव होंगे

त्रिपोली। लीबिया में फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन और अमेरिका के दूतावासों ने 24 दिसंबर को होने वाले संसदीय और राष्ट्रपति चुनावों के आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए सभी लीबिया हितधारकों को बुलाया है। समाचार एजेंसी ने सोमवार को एक संयुक्त बयान में दूतावासों का हवाला देते हुए कहा, सभी हितधारकों को यह समझना चाहिए कि अब लीबिया के लोगों की सभी वैध चिंताओं को ध्यान में रखते हुए चुनावी ढांचे को अंतिम रूप देने का समय है। बयान में जोर देकर कहा गया है कि नवंबर 2020 में संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित लीबिया राजनीतिक वार्ता मंच के रोडमैप में निर्धारित और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2570 में दिए गए चुनाव, लीबिया को और अधिक स्थिर और एकजुट करने के लिए जरूरी कदम हैं। उनके परिणाम का सभी को सम्मान करना चाहिए। आम चुनाव शुरू में 2019 की शुरुआत में होने वाले थे, इससे पहले दिसंबर 2018 के लिए योजना बनाई गई थी। चुनावों का उद्देश्य राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों को शामिल करना है।

न्यूजीलैंड अफगानिस्तान को 3 मिलियन डॉलर मानवीय सहायता प्रदान करेगा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री नानैया महुता ने सोमवार को कहा कि अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के रूप में 3 मिलियन डॉलर (2 मिलियन डॉलर) देने की घोषणा की है। महुता ने एक बयान में कहा, अफगानिस्तान में महत्वपूर्ण मानवीय आवश्यकता है, इस संकट से महिलाओं और लड़कियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया है कि मई के बाद से अफगानिस्तान में विस्थापित हुए दस लाख लोगों में से 80 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं। महुता ने कहा, आज अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों को जिन खतरों का सामना करना पड़ रहा है, उन संगठनों का समर्थन करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है जो बहुत जरूरी मानवीय सहायता और सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। न्यूजीलैंड यूनिसेफ और यूएन पॉपुलेशन फंड को फंड मुहैया करा रहा है। मंत्री ने कहा कि ये दोनों संगठन महिलाओं और बच्चों के समर्थन पर विशेष ध्यान देने के साथ जमीनी स्तर पर तत्काल जरूरतों को पूरा कर रहे हैं।

खाने को पैसे नहीं लेकिन फिर भी अपनी हरकतों से नहीं सुधर रहा किम जोंग उन, अब किया कुछ ऐसा जिसे अमेरिका ने दुनिया के लिए बताया खतरा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी ताकत दिखाई है। नॉर्थ कोरिया की तरफ से लॉन्ग रेंज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। खबरों की माने तो इस क्रूज मिसाइल ने करीब 15 हजार किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य पर सटीक वार किया। उत्तर कोरिया ने इस मिसाइल को रणनीतिक हथियार करार देते हुए बेहद अहम बताया है। मिसाइल के परीक्षण के बाद नॉर्थ कोरिया और अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। नॉर्थ कोरिया ने नई मिसाइलों को ''बेहद महत्वपूर्ण सामरिक हथियार'' बताया जो सेना को मजबूत करने के देश के नेता किम जोंग उन के आह्वान के अनुरूप है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने मिसाइल परीक्षण की तस्वीरें जारी कीं।

अमेरिका ने दी चेतावनी

नॉर्थ कोरिया के मिसाइल परीक्षण पर अमेरिका ने चेतावनी दी है। पेंटागन की तरफ से गया कि नॉर्थ कोरिया का मिसाइल परीक्षण दुनिया के लिए खतरा है। अमेरिका के सैन्य जनरल ग्लेन वानहेर्क की तरफ से कहा गया कि नॉर्थ कोरिया की ओर से दागी जाने वाली किसी भी मिसाइल का जवाब देने के लिए अमेरिका तैयार है। गौरतलब है कि अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच वार्ता में 2019 से गतिरोध बना हुआ है, जब अमेरिका ने पाबंदियों में बड़ी राहत देने का उत्तर कोरिया का अनुरोध ठुकरा दिया था। अब किम की सरकार बाइडन प्रशासन के वार्ता के अनुरोध को ठुकरा रही है, उसका कहना है कि पहले वाशिंगटन अपनी 'शत्रुतापूर्ण' नीतियों को छोड़े।

नॉर्थ कोरिया की आर्थिक हालात खराब

नॉर्थ कोरिया गंभीर आर्थिक और खाद्य संकट से गुजर रहा है। वहां लोगों के लिए पेट भरना भी मुश्किल हो गया है। कुछ वक्त पहले खुद तानाशाह किम ने चेतावनी दी थी कि हालात खराब होते जा रहे हैं। जून में आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि देश में खाने-पीने की वस्तुओं के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं। डिमांड के मुकाबले सप्लाई कम होने की वजह से हालात बिगड़ रहे हैं। लेकिन फिर भी किम जोंग उन मिसाइल परीक्षण में पैसा खर्च करने में लगे हैं।

रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के 3 दावेदारों ने की बाइडन की कड़ी आलोचना

नेब्रास्का सिटी (अमेरिका)। अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के तीन दावेदारों ने अफगानिस्तान में युद्ध समाप्त करने के तरीके को लेकर रविवार को राष्ट्रपति जो बाइडन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह बाइडन प्रशासन ने सेना की वापसी की प्रक्रिया को अंजाम दिया वह खुद को कमजोर और विरोधियों का उत्साह बढ़ाने वाला था। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसेंटिस, टेक्सास के सीनेटर टेड क्रूज और पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस, नेब्रास्का सिटी में गवर्नर पीट रिकेट्स द्वारा आयोजित चंदा एकत्र करने के एक वार्षिक कार्यक्रम में शामिल हुए। रिपब्लिकन पार्टी से 2024 चुनाव के तीन दावेदारों ने नेब्रास्का में एक हजार से अधिक समर्थकों को संबोधित किया। तीनों नेताओं ने अफगानिस्तान में सेवा देने वाले अमेरिकी सेना के जवानों की प्रशंसा की लेकिन वह राजनीतिक एकता प्रदर्शित नहीं कर पाए जो 9/11 की घटना के बाद देखने को मिली थी। डिसेंटिस ने कहा, 'चीन, ईरान, उत्तर कोरिया और मास्को में जो कुछ भी होगा वे उसे देख रहे हैं। ये देश डोनाल्ड ट्रंप से डरते थे। वे जो बाइडन से नहीं डरते, न ही उनकी इज्जत करते हैं।' क्रूज ने अफगानिस्तान पर तालिबान के पुनः कब्जे पर बाइडन प्रशासन की प्रतिक्रिया को एक 'आपदा' करार दिया।

श्रीलंका के पीएम ने कोविड पर काबू पाने के लिए आंतरिक सहयोग का किया आह्वान

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने सभी देशों के बीच घनिष्ठ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का अनुरोध किया है ताकि वे कोविड-19 महामारी से बच सकें और सामान्य जीवन फिर से शुरू कर सकें।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को इटली के बोलोग्ना में जी 20 इंटरफेथ फोरम में बोलते हुए, राजपक्षे ने कहा कि इस समय दुनिया जिस गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना कर रही है, वह सभी देशों के लिए एकजुट होने के बंधन को रेखांकित करता है। कोविड -19 धर्म, राष्ट्रीयताओं और सभ्यताओं में कोई अंतर नहीं करता है। यह पूरी मानवता के लिए एक घातक आघात है।

राजपक्षे ने मंच को संबोधित करते हुए कहा, महामारी से बचने और हमारे जीवन को एक बार फिर से शुरू करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। आधुनिक चिकित्सा द्वारा संभव किए गए टीके और अन्य सुरक्षा, कम संपन्न देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों द्वारा सहायता प्रदान करने के लिए मजबूत व्यवस्था के साथ दुनिया भर में उपलब्ध होनी चाहिए।

राजपक्षे ने कहा, यह एक ऐसी लड़ाई है जिसे किसी एक को नहीं, बल्कि सभी को जीतना है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि वायरस को रोकने के लिए देशों के अस्थायी रूप से अपनी सीमाओं को बंद करना वैध हो सकता है, लेकिन अलग होना इसका जवाब नहीं है। उन्होंने कहा, दुनिया की वास्तविकताओं में से एक जिसमें हम रहते हैं, राष्ट्रीय सीमाओं के पार माल, सेवाओं और लोगों की मुक्त आवाजाही है।

राजपक्षे ने कहा, बेहतर जीवन की तलाश में प्रवासन आज की परिस्थितियों से चुनौती है, लेकिन समान आधार पर रोजगार के अवसर मुक्त रूप से उपलब्ध होते रहना चाहिए। 2021 जी 20 इंटरफेथ फोरम 12 सितंबर को शुरू हुआ और टाइम टू हील- पीस अमंग कल्चर्स, अंडरस्टैंडिंग बिटवीन रिलिजंस थीम के तहत मंगलवार को खत्म होगा। राजपक्षे के कार्यालय ने कहा कि वह कई देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मंच के इतर विश्व के अन्य नेताओं से मिलेंगे।

काबुल की झंडों की दुकान में अफगानिस्तान का इतिहास दर्ज

काबुल। (एजेंसी)।

काबुल में एक बाजार के कोने में झंडों की छोटी सी दुकान में अफगानिस्तान के दशकों का उथल-पुथल भरा इतिहास वहां बेचे जाने वाले अनेक उत्पादों में दर्ज है। अब दुकान सफेद तालिबानी झंडों से भरी हुई है जिसमें काले रंग में अरबी में कुरान की आयतें लिखी हैं। रविवार को चार किशोर फ्लोरेसेंट रोशनी से चमकती मेज पर रखे सफेद कपड़े पर लिखी कुरान की आयातों के खांचे में काली स्याही भरकर उसे सूखने के लिए बालकनी की रेलिंग पर डालते नजर आए।

दुकान के मालिक 58 वर्षीय वहीदुल्ला होनारवर ने बताया कि तालिबान के काबुल पर संभावित कब्जे को देखते हुए 15 अगस्त को राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया था। इससे पहले वह सभी देशों के झंडे बनाते थे जिनके अफगानिस्तान के साथ राजनयिक संबंध रहे हैं। होनारवर के पास अब भी उन झंडों का भंडार है। दुकान में कंप्यूटर के सामने बैठे होनारवर ने बताया,'' तालिबान लड़ाके यहां आए और उन झंडों को देखने के बाद कुछ नहीं कहा।'' उन्होंने बताया कि तालिबान ने कहा कि उन झंडों को स्थिति सामान्य होने तक रख लें। होनारवर ने बताया कि उन्होंने अपना कारोबार तब शुरू किया था जब वर्ष 1980 में सोवियत समर्थित सरकार थी। सोवियत ने 1989 में वापसी की और उनके कम्युनिस्ट साझेदार वर्ष 1992 में गए। इसके बाद देश में गृहयुद्ध छिड़ गया। तालिबान का 1996 से 2001 तक सत्ता पर कब्जा रहा और उसे अमेरिका नीत सेना ने सत्ता से बाहर किया। अगस्त के आखिर में अमेरिका और नाटो के जाने के बाद तालिबान की वापसी हुई। उन्होंने कहा कि वह अफगानिस्तान में रहेंगे भले किसी का भी शासन आए। होनारवर ने कहा,'' मैं अफगानिस्तान से प्यार करता हूं और यहीं रहना चाहता हूं। चाहे किसी की भी सत्ता आए, मेरा कारोबार चल रहा है और आगे भी जारी रहेगा।

तालिबान के शासन से पाकिस्तान की आधी से अधिक आबादी खुश, 36 फीसदी महिलाओं का भी मिला साथ

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार का गठन हो चुका है और इससे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान बहुत ज्यादा खुश है। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के भविष्य को लेकर पड़ोसी मुल्कों के साथ वार्ता की थी। इस दौरान पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह अहमद कुरैशी ने अफगानिस्तान से आतंकवाद को समाप्त करने की बात कही थी। इसी बीच एक सर्वे सामना आया है, जिसके मुताबिक पाकिस्तान की आधी से ज्यादा आबादी अफगानिस्तान में तालिबान के पक्ष में है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में 2400 से अधिक लोगों से तालिबान को लेकर सवाल पूछे गए। यह सर्वे 13 अगस्त से लेकर 5 सितंबर तक चला। जिसमें पूछा गया कि क्या अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के गठन से आप लोग खुश हैं। इसके जो नतीजे सामने आए वो चौंका देने वाले थे। 15 अगस्त को काबुल में तालिबान की एंट्री हुई थी और इसी के साथ राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया। विगत समय में तालिबान के शासन से हर अफगानी वाकिफ था लेकिन इस बार तालिबान ने खुद को बदला हुआ बताया था लेकिन परिस्थितियां कुछ और ही हैं।

वहीं, तालिबान के शासन से पाकिस्तान के 55 फीसदी लोग खुश हैं। जबकि 25 फीसदी लोग नाखुश हैं और 20 फीसदी लोगों ने तो कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी। सर्वे में बताया गया कि तालिबान को पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा के लोगों का सबसे ज्यादा समर्थन प्राप्त हुआ है। यहां के 65 फीसदी लोग तालिबानियों के पक्ष में हैं। जबकि पंजाब और सिंध के 54 फीसदी और शहरी क्षेत्र के 59 फीसदी लोगों ने उनके समर्थन में अपनी राय दी।

36 फीसदी महिलाएं भी खुश

महिलाओं के साथ अत्याचार करने वाले तालिबान के समर्थन में पाकिस्तान की महिलाएं भी हैं। 58 फीसदी पुरुषों ने तो 36 फीसदी महिलाओं ने उनका समर्थन किया है।

लगातार सामने आ रही है तालिबान की क्रूरता, अफगान सैनिक का सिर कलम कर मनाया जश्न

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान का राज स्थापित होने के साथ ही उनकी सच्चाई एक बार फिर से लोगों से सामने आने लगी है। पिछली बार की तरह इसबार भी तालिबान ने क्रूरता और अत्याचार की सारी हदें पार कर दी है। इसी बीच तालिबान की क्रूरता का एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में तालिबानी लड़ाके अफगानी सैनिक का सिर कलम करने के बाद जश्न मनाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबानी लड़ाके अफगानी सैनिक का सिर हाथ में लेकर जश्न मना रहे हैं और मुजाहिदीन चिल्ला रहे हैं। 30 सेकंड का जो वीडियो सामने आया है उसमें पांच तालिबानी लड़ाके दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा एक लड़ाके के हाथ में खून से सने हुए दो चाकू देखे जा सकते हैं।

तालिबान बेरहमी से कर रहा कत्ल

तालिबान ने काबुल में एंट्री के साथ ही दावा किया था कि वो पिछली बार की तुलना में काफी अलग है। इस बार महिलाओं और अफगानी लोगों को सरकार में शामिल किया जाएगा। लेकिन तालिबान की सारी बातें धरी की धरी रह गईं। अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार का गठन हो गया और इसमें अफगानियों और महिलाओं को शामिल नहीं किया गया है। दरअसल, तालिबान अमेरिका की मदद करने वालों को तलाश रहा है और बेरहमी से उनका कत्ल कर रहा है।

उर कोरिया ने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने लंबी दूरी की नई क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। बीते कई महीनों में उत्तर कोरियाई मिसाइल परीक्षण की यह पहली ज्ञात गतिविधि है जो रेखांकित करती है कि किस तरह अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध के बीच उत्तर कोरिया सैन्य क्षमताओं का विस्तार कर रहा है।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने सोमवार को कहा कि क्रूज मिसाइल विकसित करने का काम बीते दो साल से चल रहा था और शनिवार तथा रविवार को परीक्षण के दौरान उसने 1,500 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्य पर मार करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। उत्तर कोरिया ने नई मिसाइलों को ''बेहद महत्वपूर्ण सामरिक हथियार'' बताया जो सेना को मजबूत करने के देश के नेता किम जोंग उन के आह्वान के अनुरूप है।

इसका मतलब यह है कि ऐसी मिसाइलें विकसित करने के पीछे उनका इरादा सेना को परमाणु हथियारों से लैस कराने का है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने मिसाइल परीक्षण की तस्वीरें जारी कीं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि सेना अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया की खुफिया सेवा के जरिए उत्तर कोरिया के परीक्षणों का विश्लेषण कर रहा है। अमेरिकी हिंद प्रशांत कमान ने कहा कि वह सहयोगियों के साथ मिलकर हालात पर नजर रख रही है और उत्तर कोरिया की गतिविधियां बताती हैं कि उसका ध्यान निरंतर 'सैन्य कार्यक्रम को विकसित करने और पड़ोसियों तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए खतरे उत्पन्न करने पर है।''

जापान ने इसे 'अत्यंत चिंताजनक बताया।'' उत्तर कोरिया के मजबूत सहयोगी माने जाने वाले चीन ने इस संबंध में पूछे जाने परकोई टिप्पणी नहीं की। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता झाओ लिजियन ने केवल ''सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने, एक ही दिशा में आगे बढ़ने, सक्रिय रूप से बातचीत और संपर्क में रहने'' का आग्रह किया ताकि एक राजनीतिक समझौते पर पहुंचा जा सके। उत्तर कोरिया द्वारा परीक्षण गतिविधियां फिर शुरू करना बाइडन प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास माना जा सकता है। यह खबर ऐसे समय में आई जब कुछ घंटों बाद बाइडन के उत्तर कोरिया के लिए विशेष प्रतिनिधि संग किम को तोक्यों में उत्तर कोरिया के साथ परमाणु कूटनीति पर बने गतिरोध के बारे में अपने दक्षिण कोरियाई और जापानी समकक्षों के साथ बात करनी है।

इससे पहले, उत्तर कोरिया ने लगभग एक साल के अंतराल के बाद, इसी साल मार्च में कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का सागर में परीक्षण किया था। केसीएनए ने कहा कि मिसाइलों ने अपने निशानों पर मार करने से पहले उत्तर कोरिया की भूमि और जल क्षेत्र के ऊपर 126 मिनट तक उड़ान भरी। इसमें बताया गया कि किम के शीर्ष सैन्य अधिकारी पाक जॉग चोन ने परीक्षण का अवलोकन किया और देश के रक्षा वैज्ञानिकों से कहा कि वे उत्तर कोरिया की क्षमताओं में वृद्धि के लिए सभी प्रयास करें। ऐसा लगता है कि किम मिसाइल परीक्षण देखने के लिए नहीं पहुंचे थे।

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच वार्ता में 2019 से गतिरोध बना हुआ है, जब अमेरिका ने पाबंदियों में बड़ी राहत देने का उत्तर कोरिया का अनुरोध ठुकरा दिया था। अब किम की सरकार बाइडन प्रशासन के वार्ता के अनुरोध को ठुकरा रही है, उसका कहना है कि पहले वाशिंगटन अपनी 'शत्रुतापूर्ण' नीतियों को छोड़े।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गृह राज्य मंत्री ने तेजस्वी यादव को कृषि कानूनों पर बहस करने की चुनौती दी

पटना। नरेंद्र मोदी सरकार के किसी केंद्रीय मंत्री ने संभवतः पहली बार बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को पिछले साल केंद्र द्वारा बनाए गए तीन कृषि कानूनों पर उनके साथ बहस (डिबेट) करने की चुनौती दी है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने रविवार शाम उत्तर बिहार के दरभंगा शहर में भाजपा किसान मोर्चा को संबोधित करते हुए कहा कि वह तेजस्वी यादव को खुले मंच पर आने और नए कृषि कानूनों पर बहस करने की चुनौती दे रहे हैं। राय ने कहा, तेजस्वी यादव को सार्वजनिक मंच पर आना चाहिए और कृषि कानूनों पर हमारे साथ बहस करनी चाहिए। अगर वह मेरे साथ बहस या चर्चा के लिए नहीं आते हैं, तो उन्हें अपने विचारों को पैम्फलेट पर छापना चाहिए और इसे सार्वजनिक करना चाहिए। गृह राज्य मंत्री ने कहा, कृषि कानूनों में शामिल अनुबंध खेती (कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग) से किसानों को लाभ होगा। हमारी सरकार द्वारा पारित विधेयकों में प्रावधान है कि किसानों द्वारा एक समूह बनाया जा सकता है और कंपनियों के साथ अनुबंध किया जा सकता है। इस मामले में, किसानों को अपनी फसलों के लिए ऋण लेने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें उनकी उपज का एमएसपी मिलेगा।

दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 17 नए मामले, संक्रमण की दर 0.04 प्रतिशत

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 17 नए मामले सामने आए तथा महामारी से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दर 0.04 प्रतिशत दर्ज की गई। दिल्ली में सितंबर में अब तक कोविड-19 से केवल एक मरीज की मौत हुई है। अब तक संक्रमण के कुल 14,38,250 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 14.12 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं। बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली में इस महामारी से अब तक 25,083 मरीजों की मौत हो चुकी है।

दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके की चार मंजिला इमारत ढही, कई लोगों के फंसे होने की संभावना

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में बड़ा हादसा हो गया है। आपको बता दें कि सब्जी मंडी इलाके की चार मंजिला इमारत अचानक से ढह गई। जिसके मलबे में कई लोगों के फंसे होने की संभावना जताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दमकल विभाग को सुबह 12 बजे के करीब इमारत गिरने की जानकारी मिली। समाचार एजेंसी के मुताबिक एक व्यक्ति को बचा लिया गया है और उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि इमारत रिहायशी इलाके में मौजूद थी और उसके पहली और दूसरी मंजिल में कई परिवार रहते थे। फिलहाल राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहा है।

मायावती की पार्टी के लोगों से बाढ़ पीडितों को बेसहारा नहीं छोड़ने की अपील

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में बाढ़ के कारण हुई तबाही पर दुख जताते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोमवार को आरोप लगाया कि बाढ़ पीड़ितों की सरकारी मदद ज्यादातर कागजी व हवा-हवाई है। उन्होंने पार्टी के लोगों से अपील की कि वे बाढ़ पीडितों की मदद करें। मायावती ने ट्वीट में कहा, '' उत्तर प्रदेश के खासकर पूर्वांचल में बाढ़ के कारण इस वर्ष फिर व्यापक तबाही व बर्बादी से लाखों परिवारों का जीवन अति-बेहाल हो गया है। अपेक्षित सरकारी मदद ज्यादातर कागजी व हवा-हवाई होने से बेघर हुए लोगों का जीवन अति कष्टदायी बना हुआ है, जो बेहद दुःखद। सरकार तुरंत उचित कदम उठाए। उन्होंने एक और ट्वीट में कहा,''स्पष्टतः उचित सरकारी मदद के अभाव में अति-विपदा में जीवन व्यतीत कर रहे लोगों को अपने सामर्थ्य के हिसाब से मदद करने वाले बसपा के लोगों से पुनः अपील है कि वे बाढ़ पीडितों को बेसहारा न छोड़ें तथा उनके प्रति अपनी मानवीय जिम्मेदारी का यथासंभव निर्वहन जारी रखें।

मुंबई में महिला के साथ निर्भया जैसी दरिंदगी, पीड़िता के परिवार से मिली महिला आयोग की टीम

मुंबई। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की एक टीम ने रविवार को मुंबई के उपनगरीय इलाके साकीनाका में बलात्कार व क्रूरता की शिकार हुई 34 वर्षीय महिला के परिजन से मुलाकात की और अपराध स्थल के साथ ही उस अस्पताल का भी निरीक्षण किया, जहां महिला का इलाज चल रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने पहले बताया था कि मुंबई के उपनगरीय इलाके साकीनाका में एक टेम्पो के भीतर शुक्रवार तड़के महिला के साथ बलात्कार और क्रूरता की गई। उसकी शनिवार तड़के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी।

मुंबई की इस घटना ने 2012 में दिल्ली में चलती बस में हुई 'निर्भया' सामूहिक बलात्कार कांड जैसी है। घटना के कुछ घंटे के बाद ही गिरफ्तार 45 वर्षीय संदिग्ध के खिलाफ दर्ज मामले में अब हत्या की धारा भी जोड़ दी गई है। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, महिला आयोग की चार-पांच सदस्य रविवार को पहले साकीनाका इलाके में स्थित महिला के घर गईं और उसके परिवार के सदस्यों से मिलीं। टीम वहां से मौका-ए-वारदात पर गयी, जहां टेम्पो के भीतर यह क्रूर घटना हुई थी। इसके बाद टीम मामले की जानकारी लेने के लिए साकीनाका पुलिस थाना गई। अधिकारी ने बताया कि टीम शहर के राजावाड़ी अस्पताल भी गई, जहां 36 घंटे तक मौत से जूझने के बाद महिला ने दम तोड़ दिया। टीम ने यहां मामले से जुड़ी जानकारियां जुटाई। उन्होंने बताया कि महिला आयोग की सदस्य इस मामले को लेकर राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से मिलीं।

बैलगाड़ियों पर सवार होकर विधानसभा पहुंचे सिद्धारमैया और शिवकुमार, महंगाई को लेकर बोम्मई सरकार पर साधा निशाना

बेंगलुरु।(एजेंसी)।

कर्नाटक में बसवराज बोम्मई के मुख्यमंत्री बनने के बाद विधानसभा का पहला सत्र प्रारंभ हो गया है। इस सत्र की शुरुआत से पहले विपक्ष के नेता सिद्धारमैया और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और बैलगाड़ियों पर सवार होकर विधानसभा पहुंचे।

आपको बता दें कि विपक्षी दल महंगाई, कानून-व्यवस्था, कोविड-19 महामारी से निबटने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन समेत विभिन्न मुद्दों पर बोम्मई सरकार को घेरने की तैयारी में है। सिद्धारमैया ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि के लिए कांग्रेस सरकार को दोषी ठहराना गलत है। उन्होंने कहा कि 1,30,000 रुपए का कर्ज था, आज केंद्र ने 24 लाख करोड़ रुपए उत्पाद शुल्क के जरिए जुटाए हैं। 1,30,000 रुपए कहां है और 24 लाख करोड़ रुपए कहां है।

कब तक चलेगा मानसून सत्र ?

मुख्यमंत्री के रूप में बोम्मई और उनके मंत्रिमंडल के लिए यह पहला सत्र होगा। जहां पर उन्हें विपक्ष के सवालों का सामना करना पड़ेगा। जुलाई माह के अंत में बीएस येदियुरप्पा के इस्तीफा देने के बाद बोम्मई ने पदभार संभाला था। दस दिवसीय मानसून सत्र 13 सितंबर को आरंभ होकर होगा 24 सितंबर को समाप्त होगा।

कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने रविवार को मैसुरु में गैंगरेप की घटना का जिक्र करते हुए खराब होती कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई और कहा कि हत्या, चोरी, वसूली और रेप की घटनाएं आम हो गई हैं।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 27,254 नए मामले, 219 और मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में पिछले एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 27,254 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल मामले बढ़कर 3,32,64,175 हो गए। इसका साथ ही उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3,74,269 रह गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों में सोमवार को यह जानकारी सामने आई। सुबह आठ बजे प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 से 219 और मरीजों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या 4,42,874 पर पहुंच गई। मंत्रालय के अनुसार पिछले 78 दिन से प्रतिदिन सामने आने वाले मामलों की संख्या 50 हजार से कम देखी गई है।

मंत्रालय ने कहा कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3,74,269 रह गई है जो संक्रमण की कुल संख्या का 1.13 प्रतिशत है। देश में कोविड-19 से पीड़ित होने के बाद ठीक होने वाले लोगों की दर 97.54 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 10,652 गिरावट देखी गई। रविवार को देश में 12,08,247 नमूनों की कोविड-19 जांच की गई। अब तक कुल 54,30,14,076 नमूनों की जांच हो चुकी है। मंत्रालय ने कहा कि दैनिक संक्रमण की दर 2.26 प्रतिशत दर्ज की गई जो कि पिछले 14 दिन से तीन प्रतिशत से कम और पिछले 97 दिन से अब तक पांच प्रतिशत से कम है।

विपक्ष पर बरसे योगी! बोले- राम भक्तों पर गोली चलाने वाली सपा, आतंकवाद की जननी है कांग्रेस

गोरखपुर/लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुशीनगर और संतकबीरनगर जिलों में करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया तथा विपक्षी दलों-खासकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राम भक्तों पर गोली चलाने वाली तालिबान समर्थक जातिवादी-वंशवादी मानसिकता को प्रदेश की जनता कतई बर्दाश्त न करे।

कुशीनगर और संतकबीरनगर के दौरे पर पहुंचे योगी ने ट्वीट किया, कांग्रेस देश में आतंकवाद की जननी है। देश को जख्म देने वाले लोगों को बर्दाश्त करने की आवश्यकता नहीं है। भाजपा है तो सभी का सम्मान है, आस्था का सम्मान है।

उन्होंने दूसरे ट्वीट में लिखा, आखिर क्या कमी थी उत्तर प्रदेश में यहां शासन करने वाली कांग्रेस, सपा और बसपा ने प्रदेश को बीमारी, बेरोजगारी, माफिया राज, भ्रष्टाचार, के अलावा क्या दिया? वर्ष 2017 से पहले हर गरीब को मिलने वाला राशन क्यों नहीं मिल पाता था? क्योंकि तब प्रदेश में शासन करने वाले लोग और शागिर्द माफिया गरीबों का राशन हजम कर जाते थे। आज गरीबों का राशन कोई नहीं निगल सकता। अगर निगला तो जेल जरूर जाएगा।

इसके अलावा उन्होंने लिखा- राम भक्तों पर गोली चलाने वाली तालिबान समर्थक जातिवादी-वंशवादी मानसिकता को प्रदेश की जनता कतई बर्दाश्त न करे। याद रखिएगा,बिच्छू कहीं भी होगा तो डसेगा। योगी ने रविवार को कुशीनगर में 281 करोड़ से ज्यादा लागत के राजकीय मेडिकल कॉलेज और 310 करोड़ से अधिक की लागत की अन्य 96 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 14 करोड़ से अधिक की 11 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया जबकि संतकबीरनगर जिले में उन्होंने 219 करोड़ रुपये की 106 परियोजनाओं का उद्घाटन और 26 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

संतकबीरनगर में नवनिर्मित जिला जेल का उद्घाटन करने के बाद योगी ने अपने संबोधन में कहा कि संत कबीर नगर जिले को अस्तित्व में आए 24 साल हो चुके हैं लेकिन यहां राजनीति से प्रेरित परियोजनाओं की घोषणाओं के अलावा कुछ भी नहीं किया गया है। योगी ने दावा किया कि अब जिला विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले माफिया सत्ता का संचालन करते थे और सत्ता इनकी शागिर्द बनकर इनके पीछे-पीछे चलती थी, लेकिन अब इनकी अवैध कमाई पर सरकारी बुल्डोजर चलता है तथा ये माफिया उत्तर प्रदेश की धरती छोड़ने के लिए मजबूर हुए हैं। योगी ने कहा कि माफिया के विरुद्ध उनका यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने संत कबीर नगर में नवनिर्मित जिला जेल पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अब बंदियों को बस्ती जिले में नहीं भेजना पड़ेगा और यह जेल सुधार गृह के रूप में आदर्श कारागार बनेगी। उन्होंने कहा कि संत कबीर नगर की पहचान बाबा तामेश्वरनाथ धाम और महान सूफी संत कबीर दास जी के साथ जुड़ी है। योगी ने कहा कि तीन साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मगहर में कबीर पीठ की स्थापना की और वहां काम अंतिम चरण में है तथा जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जल्द ही 90 हजार (भर्ती के लिए पद) नए पद आने वाले हैं और युवाओं को पारदर्शिता एवं क्षमता के दम पर रोजगार मिल रहा है, हालांकि पहले नौकरियां बिकती थीं। योगी ने दावा किया कि आज अगर कोई भी नौकरी को नीलाम करने का प्रयास करेगा तो वह नौकरी को नहीं, लेकिन अपने घर को जरूर नीलाम करा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतकबीरनगर के बखिरा के बर्तन उद्योग को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने के लिए उप्र सरकार तेजी से कार्य कर रही है।

तमिलनाडु में नीट से छूट वाला बिल हुआ पास, भाजपा को छोड़कर सभी दलों ने किया समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)।

तमिलनाडु विधानसभा में सोमवार को राष्ट्रीय प्रवेश और पात्रता परीक्षा (नीट) से छूट वाला बिल पास हो गया है। दरअसल, एक छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद प्रदेश में नीट का मुद्दा गर्मा गया था और इसी विषय पर विधानसभा में भी भारी हंगामा हुआ। इस बिल के जरिए प्रदेश के छात्रों को नीट से स्थायी छूट दिलाने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी की मांग की है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक तमिलनाडु विधानसभा में नीट से छूट वाला बिल पास हो गया है। जो 12वीं के अंकों के आधार पर एमबीबीएस और बीडीएस में छात्रों के दाखिले को मान्यता देता है। अन्नाद्रमुक ने विधेयक का समर्थन किया और भाजपा ने वाकआउट किया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में पहली बार नीट का आयोजन तब किया गया जब पलानीस्वामी मुख्यमंत्री थे और यह उस समय भी नहीं किया गया था जब जयललिता मुख्यमंत्री थीं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में जिन छात्रों ने भी आत्महत्याएं की वह पलानीस्वामी के मुख्यमंत्री रहते हुईं।

विपक्षी दल के नेता के पलानीस्वामी ने सलेम में रविवार को आत्महत्या करने वाले 19 वर्षीय छात्र धनुष का मुद्दा उठाया और सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि द्रमुक ने नीट को रद्द करने का वादा किया था लेकिन यह नहीं किया गया और बहुत से छात्र इसके लिए तैयार नहीं थे। पलानीस्वामी के कुछ बयानों को विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पवु ने रिकॉर्ड से हटा दिया।

सचिन पायलट को लेकर किरोड़ी लाल मीणा ने दिया बड़ा बयान, कहा- कांग्रेस में घुट रहा उनका दम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सचिन पायलट को लेकर ऐसा बयान दिया है जिससे आने वाले समय में राजनीतिक भूचाल मच सकता है। टोंक विधायक सचिन पायलट को लेकर बड़ा बयान देते हुए किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस में उनका दम घुट रहा है। इतना ही नहीं, मीना ने आगे कहा कि भाजपा ही उनके लिए सही विकल्प है।

भाजपा में स्वागत

किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि सचिन पायलट भाजपा में आकर स्वच्छंद विचरण करें। डराने-धमकाने वाली कांग्रेस में सचिन पायलट का क्या काम है। पायलट हमारे लिए मेहमान है। उन्होंने कहा कि पायलट हमारे घर आए, उन्हें कौन मना कर रहा है। हम सभी उनका स्वागत करेंगे। हालांकि टोंक जिले को रेल की सौगात के चुनावी वायदे पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पायलट में दावा किया था कि वह यहां एयरपोर्ट और रेल लाएंगे। जब वह अपने वादे का काम नहीं कर पा रहे हैं तो ऐसी सरकार का क्या फायदा?

किसान आंदोलन पर यह कहा

किरोड़ी लाल मीणा ने किसान आंदोलन पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन पूरी तरह से भटक गया है। किसान अब राजनीतिक दलों के हथियार बन गए हैं। सरकार समझौते करने के लिए तैयार थी लेकिन वह लाल किले पर चढ़कर हिंसा करने लगे जो कि गलत बात है। गांधी के देश में हिंसा नहीं चल सकती। आपको बता दें कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट में लगातार तकरार की खबरें रहती है। तकरार की वजह से सचिन पायलट को अशोक गहलोत ने अपने कैबिनेट से भी हटा दिया। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से भी उनसे छीन लिया गया था।

ED का AAP को नोटिस, राघव चड्ढा बोले- बीजेपी वालों, हम आपसे डरने वाले नहीं

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी और केंद्र सरकार के बीच एक बार फिर से राजनीतिक जंग शुरू होती हुई नजर आ रही है। दरअसल, आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय से नोटिस जारी किया गया है। इसको लेकर अब आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राघव चड्ढा ने कहा कि जब बीजेपी चुनाव में आप की हत्या नहीं कर पाती तो हमारा चरित्र हनन करने लगती है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की बढ़ती लोकप्रियता से बीजेपी और मोदी जी घबरा गए हैं। इसलिए सबको कहा है कि इनको बर्बाद करो।

राघव चड्ढा ने आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार की फेवरेट एजेंसी ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी को लव लेटर भेजा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मोदी सरकार पंजाब, गोवा, उत्तराखंड और गुजरात में आप के उदय से डर गई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की बौखलाहट आने वाले पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और गुजरात चुनाव के असली रुझान है। राघव चड्ढा ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा वालों हम इस दो कौड़ी के ईडी नोटिस से डरने वाले नहीं है। हम पीले चावल लेकर आपका इंतजार कर रहे हैं।

इसी को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा कि भाजपा ने हमें आईटी विभाग, सीबीआई, दिल्ली पुलिस के साथ हराने की कोशिश की लेकिन हमने 62 सीटें जीती। जैसे-जैसे हम पंजाब,

पार्टी
पार्टी
आम
आदमी
पार्टी

गोवा, उत्तराखंड और गुजरात में बढ़ रहे हैं हमें ईडी की ओर से नोटिस मिल रहा है। भारत की जनता चाहती है ईमानदार राजनीति। बीजेपी की यह रणनीति कभी कामयाब नहीं होगी। हम मजबूत बनेंगे। आम आदमी पार्टी ने एक ट्वीट कर कहा कि मोदी जी को लगता है कि हम डर जाएंगे। उन्हें क्या पता? आंदोलनकारी हैं हम! बीजेपी की साजिशों को करके परास्त, हर जंग जीत जाएंगे हम!

लॉकडाउन रेंट : दिल्ली बीजेपी ने केजरीवाल से किया सवाल, विरोध की दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली प्रदेश भाजपा ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के किरायेदारों के लॉकडाउन किराए के भुगतान के वादे पर जवाब मांगा और घोषणा की कि अगर वह अपना वादा पूरा नहीं करते हैं तो वपक्षी दल सड़कों पर उतरने से नहीं कतराएगा।

भाजपा दिल्ली राज्य राष्ट्रपति आदेश गुप्ता ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री केजरीवाल ने पिछले साल मार्च में गरीबों को लॉकडाउन के दौरान चुकाए गए किराए का भुगतान करने का वादा किया था। हालांकि, तब से 216 दिन हो गए हैं, लेकिन उन्होंने इस मामले में उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बावजूद अपनी बात रखने के लिए कुछ नहीं किया है।

22 जुलाई को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि मुख्यमंत्री द्वारा किया गया वादा लागू करने योग्य था और आप सरकार को इस घोषणा पर निर्णय लेने के लिए छह सप्ताह का समय दिया कि राज्य गरीब किरायेदारों की ओर से किराए का भुगतान करेगा, जिसमें प्रमुख रूप से प्रवासी मजदूर शामिल हैं। शुक्रवार को, दिल्ली सरकार ने उच्च न्यायालय को सूचित किया कि वह इस समय इस मुद्दे पर विचार कर रही है और दो सप्ताह के समय में निर्णय लेगी।

विपक्ष के नेता (एलओपी) राम वीर सिंह बिधूड़ी ने कहा, किराए का भुगतान करने के अलावा, आप सरकार ने मुफ्त राशन, ऑटोवाले को 5,000 रुपये, कोविड योद्धाओं के परिजनों को मुआवजा देने का भी वादा किया था, लेकिन इनमें से कोई भी वादा आज तक पूरा नहीं किया गया है। भाजपा दिल्ली राज्य के सदस्यों ने कहा, अगर मुख्यमंत्री अपनी बात रखने में विफल रहते हैं, तो हम दिल्ली के लोगों की ओर से सड़कों पर उतरेंगे। पिछले साल मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए सख्त तालाबंदी के बाद सैकड़ों और हजारों प्रवासी मजदूर दिल्ली और अन्य राज्यों से अपने पैतृक शहर के लिए रवाना हुए थे।

केंद्र और राज्य दोनों सरकारें इतने बड़े पैमाने पर पलायन के लिए तैयार नहीं थीं। महामारी ने देश भर में प्रवासी श्रमिकों पर उपलब्ध आंकड़ों की कमी को भी उजागर किया। दिल्ली सरकार ने असंगठित क्षेत्र से जुड़े केंद्र शासित प्रदेश के सभी प्रवासियों का आधार से जुड़ा डेटाबेस बनाने पर काम करना शुरू कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

संक्षिप्त खबरें

रास्ते में दुल्हन बोली- मेरे लिए पानी ले आओ, फिर सारे जेवरात और पैसे लेकर गायब

लुटेरी। दुल्हन के तो कई कारनामे सामने आते रहते हैं लेकिन उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले से बड़ा ही जबरदस्त मामला सामने आया है। यहां की एक लुटेरी दुल्हन अपनी ससुराल के लिए विदा तो हो गई लेकिन वह ससुराल नहीं पहुंची रास्ते में ही अपने दूल्हे को बेवकूफ बनाकर नौ दो ग्यारह हो गई। इस दौरान वह अपने साथ सोने-चांदी के जेवरात सहित कैश लेकर भी भाग गई और दूल्हा उसे ढूंढता ही रह गया। यह घटना उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की है। यहां स्थित बेवर थाना क्षेत्र के परौंखा गांव मने यह घटना हुई है। 'आजतक' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुल्हन तब भागी जब उसने रास्ते में दूल्हे से कहा कि जाओ मेरे लिए पानी ले आओ। इसके बाद दूल्हा पानी लेने गया और जब वह लौटा तो उसे पानी के साथ धोखा भी खाना पड़ा। दूल्हे को तब समझ आया कि शादी के नाम पर उसके साथ कैसा-कैसा खेल रचा गया। दरअसल, दूल्हे का नाम राजू है। इस युवक की शादी एक मध्यस्थ के जरिए तय हुई थी और उसने यह बताया था कि इस शादी के बदले वह राजू से 80 हजार रुपये लेगा। राजू के पिता इस शर्त पर भी शादी के लिए तैयार हो गए। इसके बाद शादी की तारीख रखी गई और तय कार्यक्रम के मुताबिक राजू की शादी की रस्में शुरू हो गईं। जानकारी के मुताबिक, जिस लड़की से शादी होने वाली थी उसका राजू की शादी तय कराने वाले व्यक्ति से सीधा परिचय था। जैसे-तैसे करके 17 अगस्त को राजू की शादी एक मंदिर में हुई, हालांकि इस दौरान दुल्हन ने भनक नहीं लगने दी कि उसका पूरा प्लान क्या है। शादी के दौरान राजू के पिता और घरवालों ने सभी रस्में निभाईं और घर में रखे सभी जेवरात और नए जेवरात राजू की दुल्हन को दे दिए। शादी सम्पन्न होने के बाद उसी मंदिर से दुल्हन की विदाई हो गई।

गुजरात: भूपेंद्र पटेल ने ली सीएम पद की शपथ

पीएम मोदी ने दी बधाई, रूपाणी को लेकर कही बड़ी बात

अहमदाबाद। गुजरात के मनोनीत नए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आजे राज्य के 17वें मुख्यमंत्री के तौर पर राज्यपाल के समक्ष पद और गोपनीयता की शपथ ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत भाजपा के कई दिग्गज नेता इस शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद रहे। विधानसभा चुनाव से एक साल पहले भूपेंद्र पटेल को राज्य की जिम्मेदारी देना भारतीय जनता पार्टी का बड़ा फैसला माना जा रहा है। भूपेंद्र पटेल जैसे नया नामे हर किसी के लिए चौंकाने वाला था। वहीं शपथ ग्रहण के दौरान अमित शाह के अलावा शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, प्रमोद सावंत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा के अन्य बड़े नेता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के नए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को ट्वीट कर बधाई दी। पीएम ने लिखा कि भूपेंद्र भाई को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। मैं उन्हें वर्षों से जानता हूं और उनका अनुकरणीय कार्य देखा है, चाहे वह भाजपा संगठन में हो या नागरिक प्रशासन और सामुदायिक सेवा में। वह निश्चित रूप से गुजरात के विकास पथ को समृद्ध करेंगे। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि सीएम के रूप में अपने पांच वर्षों के दौरान, विजय रूपाणी ने कई लोगों को आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य किया। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के लिए अथक परिश्रम किया। मुझे विश्वास है कि वह आने वाले समय में भी जनसेवा में अपना योगदान देते रहेंगे। इससे पहले उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल की नाराजगी की बात सामने आ रही थी लेकिन अब खुद उन्होंने इस बात को खारिज करते हुए कहा कि मैं नाराज नहीं हूं, मीडिया ने बढ़ा चढ़ाकर इसे पेश किया है। उन्होंने कहा कि` भूपेंद्र पटेल के नए सीएम बनने से मैं बहुत खुश हूं। पटेल ने कहा कि भूपेंद्र पटेल मेरे पुराने पारिवारिक मित्र हैं। मैंने उन्हें बधाई दी है। उन्हें सीएम के रूप में शपथ लेते देखकर हमें खुशी होगी। जरूरत पड़ने पर उन्होंने मेरा मार्गदर्शन भी मांगा है। गुजरात के नए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार सुबह जाकर उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल से उनके आवास पर मुलाकात की थी। इस दौरान नितिन पटेल ने भावुक होते हुए कहा कि मैंने 30 वर्षों तक पार्टी की सेवा की है। मुझे पार्टी से कोई नहीं हटा सकता। भूपेंद्र पटेल कड़वा पटेल है और जिस सौराष्ट्र क्षेत्र में पिछली बार भाजपा का लगभग सूपड़ा साफ हो गया था वहां अब पार्टी को इस कदम से लाभ मिल सकता है। नया चेहरा होने से पाटीदार समुदाय को इनसे कई उम्मीदें रहेंगी साथ ही विवाद होने की कम संभावना है।

■ दिल्ली: मलकागंज सब्जी मंडी इलाके में चार मंजिला इमारत ढही

मलबे से निकाले गए दो बच्चों की मौत, मचा कोहराम

नई दिल्ली। दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में सोमवार को एक चार मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई है। फिलहाल पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है और राहत व बचाव कार्य जारी है। आशंका जताई जा रही है कि इमारत के मलबे में कई लोग दबे हुए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इमारत में नीचे काम चल रहा था, जिसके चलते बड़ी ड्रिल मशीन चलाई जा रही थी। इससे बुनियाद कमजोर हो गयी थी। इमारत गिरने के पीछे यह मुख्य कारणे बताया जा रहा है। जानकारी मिलते ही मौके पर दमकल विभाग की सात गाड़ियां पहुंच गई हैं। मलबे से दो बच्चों समेत कई लोग दब गए थे। फिलहाल मलबे से बच्चों का शव निकाला गया है। वहीं एक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, कुछ गाड़ियों के भी दबे होने की बात कही जा रही है। पुलिस ने बताया कि यह घटना मलकागंज के पास सब्जी मंडी घंटा घर स्थित रॉबिन सिनेमा के सामने हुई है। सोमवार दोपहर 11:50 बजे पुलिस को एक स्थानीय निवासी ने फोन कॉल कर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद तत्काल पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचा। घटना को लेकर सीएम केजरीवाल ने भी दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सब्जी मंडी इलाके में इमारत गिरने का हादसा बेहद दुखद है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है, जिला प्रशासन के माध्यम से मैं खुद हालात पर नजर बनाए हूं। बता दें कि जो इमारत गिरी है वह 70 साल पुरानी थी। इसे निगम ने पहले ही जर्जर घोषित किया हुआ है, इसलिए बिल्डिंग रिहायशी नहीं थी। हालांकि सबसे नीचले तले पर एक हलवाई की दुकान थी। बताया गया कि आज 4-5 मजदूर दुकान में ही ड्रिलिंग का काम कर रहे थे। आस-पास के लोगों के मुताबिक अचानक बिल्डिंग भरभरा कर गिर गई। पूरी आशंका है कि सभी मजदूर अंदर ही दबे हुए हैं। जब इमारत गिरी तो उसके बगल से एक परिवार गुजर रहा था, जिसमें दो बच्चे और पति-पत्नी थे। वो भी इसके नीचे आ गए। फिलहाल इनमें से तीन को बाहर निकाला गया है।

बारिश की कवरेज करने गई महिला पत्रकार के साथ छेड़छाड़, चार आरोपी गिरफ्तार

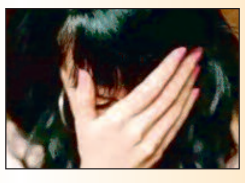

नोएडा। सेक्टर- 18 में बारिश की कवरेज करने पहुंचीं एक समाचार चैनल की महिला पत्रकार के साथ कुछ लोगों ने कथित तौर पर छेड़छाड़ की। पुलिस ने मामला दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना सेक्टर-20 के प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप ने दर्ज मामले के आधार पर बताया कि समाचार चैनल की एक महिला पत्रकार 11 सितंबर को सेक्टर-18 में बारिश की कवरेज करने पहुंची थीं, जहां जयप्रकाश, आशीष, हितेश तथा वंचित नामक चार लोगों ने रात के समय उनके साथ अश्लील हरकत की तथा विरोध करने पर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि इमरान खान नामक युवक ने फेसबुक पर उन्हें फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जो उन्होंने स्वीकार कर ली। दर्ज मामले में कहा गया है कि इसके बाद आरोपी ने उनके पिता से फेसबुक के माध्यम से संपर्क कर उनका फोन नंबर ले लिया तथा वह अब उनके बारे में उनके परिचितों से अशोभनीय बातें कर रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अब्बाजान विवाद पहुंचा कोर्ट

सीएम योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी पर आपत्ति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ बिहार के मुजफ्फरपुर की एक अदालत में सोमवार को एक याचिका दायर की गई है। इसमें एक भाषण में योगी की विवादित 'अब्बा जान' वाली टिप्पणी को लेकर आपत्ति जताई गई है। सीएम पर मुस्लिमों की धार्मिक भावनाएं आहत करने को लेकर केस दर्ज करने की मांग की गई है। मुजफ्फरपुर की सामाजिक कार्यकर्ता तमन्ना हाशमी ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दायर की। तमन्ना ने आरोप लगाया है कि भाजपा नेता की टिप्पणी से मुस्लिम समुदाय, जिससे वह संबंधित हैं, का अपमान हुआ है। सीएम योगी ने रविवार को यूपी के कुशीनगर में एक कार्यक्रम में कथित तौर पर कहा था कि 2017 में उनके सत्ता में आने के बाद ही उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली प्रभावी हो सकी, क्योंकि इससे पहले गरीबों के राशन का इस्तेमाल 'अब्बा जान कहने वाले' करते थे। अब्बाजान शब्द का इस्तेमाल मुसलमानों द्वारा अपने पिता को संबोधित करने के लिए किया जाता है। अतीत में कई राजनेताओं के खिलाफ याचिका दायर करने वाली तमन्ना हाशमी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है। तय अदालती प्रक्रिया के अनुरूप इस याचिका पर सुनवाई हो सकती है।

भवानीपुर उपचुनाव : टीएमसी प्रत्याशी ममता बनर्जी अचानक पहुंचीं सोला आना मस्जिद,

छिड़ सकता है सियासी विवाद

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व भवानीपुर विधानसभा सीट से टीएमसी प्रत्याशी ममता बनर्जी सोमवार को अचानक क्षेत्र की सोला आना मस्जिद पहुंच गईं। यहां उन्होंने क्षेत्र के रहवासियों से मुलाकात की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मस्जिद पहुंच गए और उनसे चर्चा के बाद तस्वीरें ली गईं। बता दें, बंगाल की तीन सीटों के लिए 30 सितंबर को उपचुनाव हो रहा है। इनमें भवानीपुर सीट से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा ने उनके मुकाबले प्रियंका टिबरेवाल को मैदान में उतारा है। रविवार से प्रियंका टिबरेवाल ने अपना प्रचार शुरू कर दिया है। इससे पहले शनिवार को प्रियंका ने कोलकाता के कालीघाट मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की। कालीघाट मंदिर में पूजा अर्चना के बाद प्रियंका ने चुनाव बाद हुई हिंसा को लेकर ममता बनर्जी पर तंज कसा था। प्रियंका ने कहा कि उन्होंने राज्य में हो रहे अन्याय के खिलाफ लोगों की सुरक्षा के लिए देवी काली से प्रार्थना की। प्रियंका ने कहा कि उनकी लड़ाई सत्ता में मौजूद उस पार्टी के खिलाफ है, जिसने जनता के खिलाफ अन्याय और हिंसा को बढ़ावा दिया है। बता दें, कालीघाट में ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का घर है और यह इलाका भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में ही आता है। भवानीपुर हाईप्रोफाइल सीट के लिए ममता बनर्जी दो दिन पहले ही नामांकन दाखिल कर चुकी हैं। भाजपा प्रत्याशी प्रियंका टिबरेवाल ने भी सोमवार को नामांकन दाखिल कर दिया। टिबरेवाल ने कोलकाता के अलिपोर में अपना नामांकन किया। इस दौरान भाजपा नेता और विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे। ममता बनर्जी ने कोलकाता में ही नामांकन दाखिल किया था। बता दे, मार्च अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ी थीं, लेकिन उन्हें भाजपा के सुवेंदु अधिकारी ने हरा दिया था। बंगाल का सीएम बने रहने के लिए ममता को नवंबर से पूर्व विधानसभा चुनाव जीतना जरूरी है। राज्य की तीन विधानसभा सीट पर 30 सितंबर को उपचुनाव होगा। मतगणना तीन अक्तूबर को होगी। उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग ने नामांकन से पहले और बाद के जुलूस पर प्रतिबंध लगाए हैं।

आगरा में पिन लगा मिला हैंड ग्रेनेड बम, पुलिस ने इलाके को किया सील

आगरा। एक गांव में हैंड ग्रेनेड मिलने की खबर से हड़कंप मच गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने नाकाबंदी करके बम निरोधक दस्ते को सूचना दी। हैंड ग्रेनेड बम में जंग लगी थी, लेकिन उसमें पिन मौजूद थी। सोमवार की सुबह जैतपुर थाना क्षेत्र के गांव संजेती के यमुना के बीहड़ में दिनदहाड़े हैंड ग्रेनेड मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया। हैंड ग्रेनेड की सूचना पर आनन फानन में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। जांच के बाद पुलिस ने बताया कि यह असली हैंड ग्रेनेड है जो काफी पुराना प्रतीक हो रहा हे। जिसे पशु चराने गए संजेती के ही अतुल ने सबसे पहले देखा था और आवाज लगाकर ग्रामीणों को इकट्ठा कर लिया और सूचना देकर पुलिस को बुला लिया। हैंड ग्रेनेड की पिन खुली होने की बजह से ग्रामीणों को जागरूक करते हुए आसपास के इलाके सील कर हैंड ग्रेनेड को बालू से उसे घेर दिया है और बम निरोधक दस्ते और फॉरेंसिक टीम को सूचना कर दी गई है। थाना प्रभारी जैतपुर ने बताया कि यह हैंड ग्रेनेड ही है मगर काफी पुराना है।

लूट, डकैती और फिरौती के लिए अपहरण जैसे अपराधों में अंतरिम जमानत नहीं : कोर्ट

नई दिल्ली। कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान जेलों में कैदियों की भीड़ कम करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित उच्चाधिकार प्राप्त प्राप्त समिति (एचपीसी) ने स्पष्ट किया है कि डकैती, लूट और फिरौती के लिए अपहरण जैसे अपराध कैदियों को अंतरिम जमानत देने के इसके मानदंडों के तहत नहीं आते हैं। न्यायमूर्ति विपिन सांघी की अध्यक्षता वाली समिति ने यह स्पष्टीकरण दिया है, क्योंकि उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों में से एक न्यायमूर्ति ने धारा 364 ए (फिरौती के लिए अपहरण), 394 (जानबूझकर चोट पहुंचाना) और धारा 397 (गंभीर चोट पहुंचाने के प्रयास के साथ डकैती या लूट) के तहत मुकदमे का सामना कर रहे विचाराधीन कैदियों को अंतरिम जमानत के लिए याचिका पर विचार कर रही पीठों के मार्गदर्शन के लिए इस मुद्दे को समिति के समक्ष रखने का आग्रह किया था ताकि परस्पर विरोधी आदेशों से बचा जा सके। इस पर समिति ने आठ सितंबर को हुई बैठक के कार्य विवरणों में कहा कि केवल इसलिए कि निर्दिष्ट अपराध जैसे भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत अपराध, वह भी शर्त के साथ, अंतरिम जमानत देने के लिए अनुशंसित मामलों की श्रेणी में शामिल है, इसका मतलब यह नहीं है कि डकैती, लूट, फिरौती के लिए अपहरण जैसे अपराध आदि भी शामिल हैं। ऐसे मामलों को जानबूझकर बाहर रखा गया। क्योंकि इस तरह के अपराध अधिकांश अपराध प्रवृति की वजह से किए जाते हैं।

बसपा स्पष्ट बहुमत से यूपी में बनाएगी सरकार : सतीश मिश्रा

लखनऊ। बसपा के वरिष्ठ नेता सतीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चुनाव के बाद भी पार्टी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि बसपा स्पष्ट बहुमत के साथ प्रदेश में सरकार बनाएगी। सतीश चंद्र मिश्रा ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी किसी भी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। बसपा के महासचिव ने कहा कि हम विपक्ष में बैठना पसंद करेंगे लेकिन यूपी विधानसभा के लिए हम न तो किसी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करेंगे और न ही समर्थन लेंगे। उन्होंने कहा कि बसपा 2022 में पूर्ण बहुमत के साथ अपनी सरकार बना रही है। चुनाव के बाद किसी भी अन्य परिदृश्य की स्थिति में हम कभी भी भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। सतीश चंद्र मिश्रा का यह बयान इस बढ़ती धारणा के बीच आया है कि क्या 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद बसपा फिर से भगवा पार्टी से हाथ मिला सकती है? आपको बता दें कि इससे पहले यूपी में बसपा ने भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी दोनों के साथ सरकारें बनाई हैं। बसपा ने 1993 में सपा के साथ गठबंधन किया था और उस वक्त मुलायम सिंह यादव ने सरकार का नेतृत्व किया। दो साल बाद 1995 में दोनों पार्टियां अलग हो गई और मायावती कुछ महीनों के लिए भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बनीं। इसके अलावा 1997 और 2002 में बसपा ने फिर से भाजपा के साथ गठबंधन में सरकार बनाई। इसके बाद 2007 में दलित-ब्राह्मण संयोजन पर भरोसा करते हुए पार्टी ने 403 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटें जीतकर अपने दम पर सरकार बनाई थी। बसपा एक बार फिर इस विजयी 'दलित-ब्राह्मण' संयोजन को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है। पार्टी राज्य भर में ब्राह्मण सम्मेलनों की एक सीरीज आयोजित कर रही है। दलित उत्तर प्रदेश की आबादी का अनुमानित 20 प्रतिशत हैं और ब्राह्मणों की संख्या 13 प्रतिशत है। बसपा के ब्राह्मण चेहरे सतीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि उनकी पार्टी ने प्रवृत्ति शुरू की और सभी दल अब ब्राह्मणों को शामिल करने और उन्हें लुभाने के लिए आगे बढ़ने का लक्ष्य बना रहे हैं। लेकिन 80 फीसदी ब्राह्मण हमारे साथ हैं। केवल वही ब्राह्मण बसपा के साथ नहीं हैं जो किसी दल के पदाधिकारी हैं या स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं। ये सभी दल जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से उनके लिए लड़ रहे हैं।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com